सरदीस कलीसियायी काल

जैफरसनविले इन्डियाना, यू. एस. ए.

९ दिसम्बर, १९६०

1 .....महाराजा। मेरा भाई मुझे अभी हाल ही में बता रहा था; कि वहाँ था....ये रूमाल किसी उस व्यक्ति के लिए थे जो कैंसर से मर रहा है। अतः हम बस थोड़ी देर में उनके लिए प्रार्थना करेंगे। (भाई नेविल कहते हैं, "ठीक दूसरे छोर पर दो प्रार्थना-विनतियाँ हैं"-सम्पा.) क्या दो प्रार्थना विनतियाँ हैं?बिलकुल ठीक है, बिलकुल ठीक है, श्रीमान। और मैं उन्हें भी यहाँ पर प्रार्थना के लिए रख दूंगा।

2 और इसके बाद किसी ने हाल ही में एक लेख पारित किया है, वह आसपास आया है और उसने कल की सभा के विषय में एक लेख जारी किया है। आप जो हम से यहाँ पर भेंट कर रहे हैं;यदि आप यहाँ पर कल दोपहर दो बजे आयेंगे तो हमें निश्चय ही खुशी होगी-कल दोपहर पश्चात वे टेप वाली सभाएं करने जा रहे हैं। यदि आप कुछ नहीं कर रहे हैं.....यह उन संदेशों में से कोई एक संदेश होगा जो आपने कभी न सुना होगा जिसे चलाया जाएगा, और प्रार्थना सभा की जायेगी.....और....हम कल दोपहर दो बजे एक अच्छे समय की आशा कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बहुत ही व्यस्त समय होने जा रहा है, क्योंकि कल (समझे?)...मुझे रविवार की सुबह सभा लेनी है; और रविवार रात्रि को भी और कल रात्रि को भी सभा लेनी है; और उन कलीसियाओं के सारे इतिहास को लेना

3 और अब, रविवार की प्रातः हम एक शानदार समय की आशा कर रहे हैं; क्योंकि प्रभु ने चाहा, तो रविवार की सुबह हमारी समापन सभा हो.....शनिवार की रात्रि लौदीकियायी कलीसियायी काल का अध्ययन किया जाना है। परन्तु रविवार की सुबह मैं मूर्ख कुंवारियाँ और पुनरूथान लेना चाहता हूँ। उन चार...उन एक लाख चवालीस हजार को तथा उन सभी छोटे छोटे भेदों को जो सन्देश के साथ मेल खाते हैं रविवार की सुबह लेना चाहता हूँ।

सभाएं नौ बजे आरम्भ होंगी। पास्टर साहब, क्या यह सही है? रविवार की सुबह नौ बजे हम इस प्रकार की उन बातों को लेना चाहते हैं, जैसे मूर्ख कुंवारियों का क्या होता है, और समझदार कुंवारियों का क्या होता है? और वे कब वापस लौटकर आती हैं? या एक लाख चवालीस हजार कहाँ पर दृष्टिगोचर होंगे? और रविवार की सुबह के लिए इस प्रकार की बहुत सी बातें हैं जिनका इस सन्देश से बिलकुल ठीक ठीक सम्बन्ध है; जिन्हें हम एक साथ समायोजित करने का प्रयास करेंगे। प्रभु ने चाहा, तो इसके बाद रविवार रात्रि को हम अन्तिम महान दूत को और लौदीकियायी संदेश को लेना चाहेंगे।

4 और अब देखिए, इसके बाद कल दोपहर-पश्चात यहाँ पर एक सभा होनी है-टेप वाली एक सभा होनी है। भाई जैने ने मुझे अभी बताया था, कि वे करेंगे....हम उसे दोपहर पश्चात दो बजे करेंगे। और आप लोग जो संदेशों को सुनना, और वेदी के चौगिर्द प्रार्थना करना चाहते हैं, आप लोग जो पवित्र आत्मा की खोज कर रहे हैं या इसी प्रकार का कुछ कर रहे हैं, आपके लिए यह एक शानदार समय होगा। यह गिरजा बढ़िया और गरम है, और खुला हुआ है; और किसी भी उस व्यक्ति के लिए जो अंदर आना और प्रार्थना करना और प्रभु की खोज करना चाहता है, हर समय तैयार रहता है। गिरजा खुला है, और आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। और हम....हम आप से आशा कर रहे हैं....हम आप से कल दोपहर बाद के लिए ऐसी आशा कर रहे होंगे, कि आप इसे इसी प्रकार से रखेंगे।

5 या आप किसी भी समय गिरजे में आकर प्रार्थना करना चाहते हैं, तो क्यों, यह हमेशा ही तैयार होगा। और यदि ऐसा होता है, कि द्वार बंद हो या ऐसा कुछ हो, तो सड़क के पार वहाँ पर मेरा भाई जो कि यहाँ पर देखभाल करनेहारा है, रहता है। मैं सोचता हूँ, उसका नम्बर 411 है; मैं ऐसा ही सोचता हूँ....यह 811 है; यहाँ गिरजे से उस पार कोने में यह 811 नम्बर का मकान है। क्यों, वह....यदि वे द्वार बन्द कर देते हैं, और उस पर ताला लगा देते हैं, तो उसकी पत्नी के पास चाबी होगी; परन्तु वे उसे खुला ही छोड़कर रखते हैं; हो सकता है, कि वे उसे सुबह ही खोल देते हों। जब रात्रि में सभा समाप्त हो जाती है, तो वे इसे बच्चों की भागदौड़ से बचाने के लिए, और खिड़कियों तथा इसी प्रकार की चीजों को टूटने से बचाने के लिए बन्द कर देते हैं। और आप जानते ही हैं कि बच्चे किस प्रकार के हैं, और विशेष करके इस दिन में। अतः हम इसे इस कारण ही बन्द कर देते हैं।

हमें यह बहुत ही बुरा लगता है, कि किसी भी समय गिरजे के द्वार बन्द हों। हो सकता है, कि जब दूसरावाला स्थापित किया जाये, तो हम इसे ऐसा बनायेंगे....कि कोई जन सारे समय वहाँ पर रखा जाये, जिससे लोग अन्दर आ सकें, और प्रार्थना कर सकें और चंगाई की प्राप्ति कर सके, पवित्र आत्मा की प्राप्ति कर सकें....तब यह अलग ही बात होगी।आप जिनके जीवन में पवित्र आत्मा नहीं है, यदि आप चाहते हैं, तो आप यहाँ पर आयें, यहाँ पर रूके रहें...यहाँ पर सारी रात भर रूके रहें; आप यहाँ पर तब तक रूके रहें जब तक कि आप उसे प्राप्त नहीं कर लेते हैं।

6 यह कौन था जो कुछ समय पहले ही यहाँ पर यह गा रहा था, परमेश्वर मेरे चारों ओर है; परमेश्वर सभी जगह पर है? मैंने सोचा था, कि स्वर्ग पर उठाये जाना आ पहुँचा है। मैं यह देखने के लिए कि सब लोग आसपास है चारों ओर दृष्टि डाल रहा था। यह सचमुच में बहुत ही अच्छा था; मैं उसकी सराहना करता हूँ। हम उसके थोड़े से भाग का किसी भी समय सामना कर सकते हैं। जी हाँ! ऐसा है.....मैं उसे सुनने के लिए बस समय पर ही आ पहुँचा था।

और मैं इन सभाओं में सारे अच्छे गायनों का आनन्द नहीं उठा पाया हूँ; क्योंकि मैंने सोचा था, शायद ऐसा हो....ओह, मैं बहुत ही व्यस्त रहा हूँ; आप जानते हैं, कि यह कैसे होता है। सभी जगह से लोग—लोग हवाई जहाजों से, रेलगाड़ियों से आते हैं....आपको...आपको इसके विषय में कदापि मालूम नहीं होता है (समझे आप?)..क्योंकि इसकी सूचना बस फोन पर ही मिलती है; और आपको उनके पास उनसे मिलने के लिए हर जगह जाना होता है, और उनके लिए प्रार्थना करनी होती है। ऐसा निरन्तर ही चलता रहता है; और उसके बाद मैं अध्ययन करने का भी यत्न कर रहा होता हूँ; यह इसे एक अच्छी खासी समस्या बना डालता है। परन्तु हमें लोगों से मुलाकात करने तथा उनके लिए वह करने में सदैव ही प्रसन्नता होती है जो हम उनके लिए कर सकते हैं, क्योंकि यह है एक....यह हमारा...है.....हम इस दिन में प्रभु यीशु मसीह के लोगों के लिए उसके एक जन सेवक हैं। और हम जो कुछ भी करते हैं हम उससे भी अधिक करना चाहते हैं, परन्तु हम कर नहीं सकते हैं।

7 एक प्रचारक-गण जिसका तन्त्रिका तन्त्र खराब हो गया था, उसे इस सुबह बड़ी तेजी से अन्दर लाया गया; वह बस चूरचूर होने जा रहा था; वह एक भला इन्सान है। और क्योंकि वह.....ऐसा इसी लिए हुआ, क्योंकि उसने अतिरिक्त अत्यधिक मेहनत की थी। उठा...ऐसा होने ही लगा था; और उसकी एक छोटी लड़की कमरे में थी, उसको तो बस चक्कर ही आने लगे थे। उस लड़की ने लाल रंग का पाजामा पहना हुआ था; उसने बताया था, कि वह आखिरी बात जो उन्हें याद है वह यह थीः एक लाल रंग का बिन्दु इस प्रकार से गोल गोल घूमता चला जा रहा था जो बाहर चला गया था। समझे? और अतः वे उसे तेजी से ऊपर लेकर आये।

अतः यह—यह बहुत अधिक काम करने की वजह से हुआ था। समझे आप? आप स्मरण रखें, आप शारीरिक ही हैं। और हम...हम चाहते हैं.....हम सोचते हैं कि सारा का सारा बोझ हमारे ऊपर ही लाद दिया गया है। परन्तु आप जानते हैं, परमेश्वर के पास उस प्रकार के किसी भी जन का ध्यान रखने के लिए सभी जगह सेवक हैं; और अतः हम वह अच्छे से अच्छा करते हैं जो हम कर सकते हैं। परन्तु यह

दयावंत सेवक इन अन्तिम दिनों में अपने प्रभु के लिए वह सब कुछ करने का यत्न कर रहा है जो वह कर सकता है। मैं सुनिश्चित हूँ.....और परमेश्वर ने ठीक वहीं पर उसे छुड़ाया, और वह भला चंगा हो गया था; वह उसे उसकी सामान्य स्थिति में फिर से पूरी तरह से वापस लेकर आया था, और वह बिलकुल भला चंगा होकर जयजयकार करता हुआ, आनन्द मनाता हुआ अपने मार्ग पर गया।

8 ओह, आज एक बहुत बड़ी घटना घटित हुई। मैं बस उन बातों पर बोलना शुरू नहीं करना चाहता हूँ, लेकिन.... आप जानते हैं, कि मैंने अपनी पत्नी को बताया था.....मैंने कहा था, "अब, यहाँ पर कोई आ रहा होगा; और वह छोटे कद का भारी भरकम पुरूष होगा जिसके बाल काले और आँखें काली होंगी; और वह सूचना-चिन्ह को पढ़ेगा; और शुरू करेगा.....पर तुम उसे बुलाना।" समझी? मैंने कहा, "क्योंकि प्रभु के पास उसके लिए एक संदेश है।" और मैंने उठकर बाइबिल खोली, और मैंने कहा, "मैं इन चीजों को यहाँ अन्दर रखने जा रहा हूँ, जिससे तुम यह देख लोगी, कि बिलकुल ठीक यही है वह जो परमेश्वर उससे चाहता है, कि वह करे।"

9 आठ साल पहले पोलैंड़ का रहनेवाला एक पोलैंडवासी पोलैंड में उठ खड़ा हुआ था..... एक सभा में वह प्रचारमंच के पास आया, और उन्होंने कहा....या पवित्र आत्मा ने उस पर दृष्टि डालकर उसे बताया, "तुम बस दुविधा में पड़े हुए हो।" यही है वह जो .....

उसने सोचा था, कि यह मैंने कहा था, पर यह तो पवित्र आत्मा ही था जिसने यह कहा था। इस कथन ने उसे सभी समय जकड़े रखा; और आखिरकार गत रात्रि को उसे कानसस शहर से भवन की ओर खींचकर लेकर आया; और इसके बाद वह तब सचमुच में दुविधा में पड़ गया था जब उसने उस जल के बपतिस्मे के विषय में सुना था। वह अपने होटल गया; और पवित्र आत्मा ने उससे कहा, "अब ऊपर उठ, और वहाँ ऊपर चला जा।" कोई और उसके साथ आना चाहता था, परन्तु उसने उसे मना कर दिया, क्योंकि वह दर्शन में अपने आप अकेला ही आया था। समझे? अतः वह .....और वह सज्जन उस सूचना-चिन्ह को पढ़कर वापस लौट जाना चाहता था; और मेरी पत्नी ने उसे बुलाया, और मैं द्वार पर पहुँचा;

और मैंने कहा, "यही है.....यही है वह; उसे आ जाने दो।"

वह बोला, "मुझे क्या करना चाहिए?" जब उसने देख लिया, तो उसके बाद उसने कहा, "अब मैं इसे देखता हूँ।" 13. मैंने कहा, "मैं तुम्हें इसे दिखाना चाहता हूँ जिससे अब तुम इसे जान जाओगे।" समझे? मैंने कहा, "प्रभु ने मुझे बताया था, कि तुम आ रहे हो। और उसने पूछा..... मैंने कहा, "अब, देखो, ये रहा वचन का लेख। अब इससे पहले कि तुम आगे बढ़ों, तुम इसे ठीक यहीं पर पढ़ो।"

10 ठीक है, इस समय वह यहाँ पर यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेने के लिए मौजूद है। अतः....शायद इस समय वह यहाँ पर बैठा हुआ हो, क्योंकि यही वह सारी की सारी बात है जो मैं जानता हूँ। भाई, क्या आप यहाँ पर हैं? वह एक भाई है, वह पोलैंडवासी एक भाई है। हैं? जी हाँ, वह वहाँ पीछे कोने में है। यकीनन! खड़े हो जायें-आप अपना हाथ ऊपर उठायें जिससे लोग देख लें कि आप वहाँ पर हैं। बिलकुल ठीक है!

अतः देखिए, पवित्र आत्मा ही है.....ऐसा तो बस सारे समय ही होता रहता है। बहुत से लोग सोचते हैं, कि दर्शन तो प्रचारमंच पर ही दिखाई देते हैं। ओह, वह इसे शरू नहीं करता है! भाई लियो; इसके विषय में क्या है ? ये तो सभी जगह दिखाई देते हैं। समझे? खैर, यह यहाँ तो इसके लिए बस एक छोटी सी ही जगह है। यह तो वह है जहाँ यह बहुत थोड़ा ही होता है। वहाँ बाहर तो ये दिन और रात सभी समय ही चलते रहते हैं। समझे आप? आप मेरी पत्नी से,और उससे, और उनसे और वहाँ पीछे मेरे पड़ोसी भाई वुड़ हैं, उन से तथा इन सब लोगों से जो मेरे आसपास रहते हैं आप पूछ लें। ओह, मेरे परमेश्वर! ये तो छोटी छोटी बातें ही हैं जो यहाँ पर होती हैं; ये तो बड़ी-बड़ी बातें हैं जो वहाँ पर होती हैं। अब देखिए, और आधी तो अभी तक कभी बतायी भी नहीं गयी हैं।

ओह, मैं यह बात जानने के लिए अति आनन्दित हूँ, कि हमारा प्रभु जल्द आ रहा है; और फिर हम उसके साथ युगानुयुग रहने के लिए जा रहे हैं, युगानुयुग नहीं, वरन अनन्तकाल के लिए....अनन्तता के लिए ।

11 अब, यदि प्रभु ने चाहा, तो मैं सोचता हूँ, यह अठाराह है जो रविवार हैएक सप्ताह है....रविवार को एक सप्ताह बाद अठाराह है.....मेरा एक जबरदस्त युद्ध हुआ था; शैतान इस फ्लू को जो चारों ओर लोगों को हो रहा है मुझे देने की चेष्टा कर रहा था; मैं बस इसको उसे वापस लौटाता रहा; और वह इसे मुझे देता रहा, और मैं इसको उसे ही वापस लौटाता रहा। अतः....और इस प्रकार मेरा एक छोटा सा अच्छा खासा युद्ध हुआ। अतः इसी प्रकार हम इस युद्ध को शायद अगले सप्ताह लड़े।

और उसके बाद प्रभु ने चाहा, तो अगले रविवार तक....अठाराह तक...और, अब हम कुछ सभाएं बीमार लोगों के लिए करने जा रहे हैं, क्योंकि वे....परिस्थितियाँ इसके लिए जोर दे रही हैं, और प्रोत्साहित कर रही हैं, और बहुत ही आपात स्थितियाँ बन गयी हैं जिनकी हम जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी सुधि लेने की कोशिश कर रहे हैं, वे घन्टों,रात भर के सारे घन्टों में आ रहे हैं, और सब कुछ कर रहे हैं, वे आते हैं और जाते हैं। अतः हम अठाराह को चंगाई वाली एक नियमित सभा करने जा रहे हैं। और यदि आपके पास आपका कोई ऐसा प्रिय जन है जिसके लिए प्रार्थना की जानी है; तो ठीक है, आप उन्हें ऊपर लेकर आ जायें; या आप उन्हें उस समय पर अन्दर लेकर आ जायें।

12 अब देखिए, जैफरसनविले से आये हुए बहुतेरे ऐसे लोग थे, जो मुझे बता रहे थे....उन्होंने कहा था, कि वे यहाँ पर समय पर पहुँच जाने के लिए सुबह लगभग पाँच बजे ही आ गये थे, लेकिन उनके पास उनकी कारों के लिए जगह नहीं थी....या... अतः उन्होंने....मैंने कहा....."ठीक है, आप....ये हमारे यहाँ हमसे मुलाकात करने के लिए आने वाले भाई है-लोग हैं, प्रचारकगण है जो सभी जगहों से आते हैं।" मैंने कहा, " वे हो रहे हैं....वे इस शिक्षा पर आश्रित हो रहे हैं।"

और हम तो बस मुख्य मुख्य बातों का ही वर्णन करने का प्रयास कर रहे हैं। और थोड़े समय में यह हमारे पास एक पुस्तक के रूप में होगी जिससे आप इसे पढ़ सकें और..और इसमें थोड़ी सी और बातों को जोड़ा जायेगा, क्योंकि रात्रि में.....आपने पिछली कुछ रातों में यह ध्यान दिया होगा, कि मैं अपनी आवाज को उस बड़ी चरम सीमा के लिए बचाकर रखने का यत्न कर रहा हूँ; - यही है। वह जो मैं देखना चाहता हूँ; यही है वह जहाँ पर मसीह का यह प्रकाशन इस काल में प्रकट किया जाता है कि यह क्या है। समझे?

13 और अब इससे पहले कि हम वचनों के लेखों को पढ़ना आरम्भ करें.....और मैं जानता हूँ, कि कल एक बड़ा व्यापारिक दिन है, जब हम सब को शनिवार की रात को अपने लिए राशन का सामान इत्यादि लेने के लिए जाना है। और हमें उन्हें शनिवार की दोपहर बाद ही या शनिवार की सुबह ही लेने के लिए जाना है, ताकि हमारे पास गिरजे आने के लिए शनिवार की शाम खाली रह सके। अतः हम आपको आज रात्रि जल्दी ही छोड़ देने का प्रयास करेंगे, जिससे आपको उसे कल लेने के लिए बहुत अधिक थकावट नहीं होगी; और उसके बाद आप उन भाइयों के साथ जो टेप लाते हैं दोपहर-बाद सभा में और ...और कल रात की सभा के लिए वापस आ जायें।

अब, क्या हम एक क्षण के लिए प्रार्थना के लिए खड़े हो सकते हैं, क्या आप खड़े हो जायेंगे। मुझे हैरत है, इससे पहले कि हम प्रार्थना

करें, क्या यहाँ पर कोई ऐसा है जिसके लिए प्रार्थना के लिए विशेष विनतियाँ हैं; क्या आप अपने हाथों को ऊपर उठा कर उसे विदित करायेंगे? परमेश्वर देखता है। भाइयों, अब आप देखते हैं, चाहे हम जरूरतमंद जगत में हों या न हो परमेश्वर देखता है। मैं सोचता हैं, तब.....सभा में उपस्थित लोगों में से 95 या 98 प्रतिशत लोगों ने ...के लिए...अपने हाथ ऊपर उठायें हैं.....अब, स्मरण रखिए, जब तक परमेश्वर ही इसे न जानता हो आप इसे हिला डुला भी नहीं सकते हैं। समझे? वह आपकी मनसाएँ जानता है; जो आप मांग रहे हैं वह उसे जानता है। आइये हम अपने सिरों को झुकायें।

14 अनुग्रहकारी पिता परमेश्वर, हम आज रात्रि आपकी पवित्रता की ओर आपके सिंहासन की ओर आपकी प्रतिज्ञा के द्वारा आ रहे हैं, कि आपने कहा था, कि आप सुन लेंगे, और यदि हम प्रतीति कर लेते हैं तो आप हमें वह दे देंगे जो हम मांग रहे हैं। और हम अपनी सारी गलतियों का अंगीकार कर रहे हैं।

प्रभु, हमें इसका आभास है, कि हम नहीं हैं...हम आपकी किसी भी आशीष के योग्य नहीं हैं। हम हैं.....हम तो अयोग्य ही हैं। हम तो पूरी तौर से अयोग्य हैं; और हम ऐसे नहीं आते हैं, कि मानो हम हों—हम योग्य हों, और..और हमने कोई बड़ा काम किया हो। हे पिता, जब हम उस कलवरी पर दृष्टि डालते हैं, तो वह हम से हमारी सारी महानताओं को दूर कर डालती है; और हम मसीह को, वरन क्रूस पर चढ़े मसीह के अलावा और कुछ नहीं जानते हैं।

इसके बाद जब हम यह देखते हैं, कि वह हमें धर्मी ठहराने के लिए पवित्र वचनों के अनुसार तीसरे दिन मुरदों में से जी उठा था; और चालीस दिन बाद पवित्र आत्मा के रूप में वापस लौटकर आया, ताकि हमारे साथ वास करे जब तक कि अंत समय में आकाश में उसका दृश्य आगमन नहीं हो जाता है.....और हम देखते हैं कि वह अंत समय बड़ी ही व्रीव गति से चला आ रहा है। प्रभु, और हम बहुत ही प्रसन्न लोग हैं; क्योंकि ये...ये आप ही हैं जिसने हमें यह सौभाग्य प्रदान किया है।

15 पिता, मैं इस बात के लिए बहुत अधिक धन्यवादित हूँ, कि लोगों की यह सभा जो सुन रही है अपने दिलो को झुकाये हुए मौजूद है और सुन रही है.....?.....और इसके बाद, प्रभु, मैं यह प्रार्थना करता हूँ, कि आप आज रात्रि और हर एक रात्रि को और उस हर एक समय पर मेरे होंठों को पवित्र करेंगे जब मैं आपके लोगों से बात करने के लिए आपके मंच पर आता हूँ, क्योंकि, प्रभु, ऐसा हो, कि मैं कभी भी कोई गलत बात न बोलूं।

आपके पास अभी भी मुँह को वैसे ही बंद करने की सामर्थ है जैसे आपने शेरों की मांद में तब किया था जब दानिय्येल शेरों के साथ वहाँ पर था। और यदि कभी मैं कोई ऐसी बात कहता हूँ जो आपकी इच्छा के अनुसार नहीं है, तो प्रभु, आप मेरा मुँह बंद कर दें जिससे मैं उसे न बोलू। प्रभु, मेरे विचारों को अलग कीजिए, और मुझे उस सही राह पर चलाइये जहाँ मैं और कुछ नहीं, वरन सच्चाई का ही बखान करूं। क्योंकि मुझे इस बात का आभास है, कि ये लोग उस महान दिन की बाट जोह रहे होंगे....उस सेवकाई के अनुसार जिसका मैंने उन्हें प्रचार किया है बाट जोह रहे होंगे।

यदि आप अपने तारों में से-अपने दूतों में से, अपने सेवकगणों में से अपने दासों में से, किसी को भी लेने आते हैं, तो इन सन्देशों के अनुसार जिनका हम यहाँ पर प्रचार कर रहे हैं, उन्हें सबसे पहले हिसाब-किताब देना होगा। आप उन्हें अर्थात अपने दास-सेवकों को उत्तरदायी ठहरायेंगे।

अब, पिता, मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आप किसी मनुष्य को नहीं, वरन पवित्र आत्मा को ही बोलने दें। हमारे हृदयों का खतना करें, ताकि हम उसको सुन सकें। पिता, मैं सुन रहा होऊँगा। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आप बीमार और अपाहिजों को चंगा करें। वे सभी लोग जो जरूरतमन्द हैं और सभी जगह हैं, होने पाये, आपका अनुग्रह और करूणा उनके साथ हो।

आज रात्रि हाथ उठाने के द्वारा जिन जिन निवेदनों को अवगत कराया गया है, उन्हें प्रदान किया जाये। पिता, इस प्रांत के बाहर जबकि ऐसे बहुतेरे हैं जो पीड़ित हैं- वे भी लोग हैं जिन्हें ये रूमाल दर्शाते हैं; और यहाँ पर मेरे हाथ के नीचे उनकी विनतियाँ रखी हुई हैं; होने पाये, पवित्र आत्मा ही उत्तर दे और बीमारों को चंगा करे। अब आप हमसे अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लिखित वचन में से होकर बात करें, हम इसे यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन! कृपया बैठ जायें!

16 (अब, आज रात्रि गिरजे में थोड़ी सी गर्मी है।)

महान लौदीकियायी काल आगे आ रहा है.....और आज रात्रि हम जिस एक और महान कलीसियायी काल की ओर अग्रसर हो रहे हैं वह पाँचवां कलीसियायी काल होगा। हम पहले कलीसियायी काल का जो इफिसुस काल था अध्ययन कर चुके हैं। मैं इन्हें फिर से पढ़ देता हूँ; क्योंकि उन सब को लिख लिया गया था। और अतः मैं उन्हें आपके लिए पढ़ना चाहूँगा जिससे आप इसे अपने अपने पेपरों में जाँच लें।

17 पहला कलीसियायी काल इफिसुस कलीसियायी काल था, जो कि सन् 55 ईसवीं से लेकर सन् 170 ईसवीं तक था, पौलुस उसका तारा था; और वह पहला कलीसियायी काल था। और परमेश्वर की शिकायत थीः"प्रेम हीन कार्य का पाया जाना!" पुरस्कार थाः "जीवन का वृक्ष!"

दूसरा कलीसियायी काल सन् 170 ईसवीं से सन् 312 ईसवीं तक था, इरेनियस उस दिन का सुसमाचारदूत था। और शिकायत थीः सताना.....कलीसिया का क्लेश और सताया जाना! पुरस्कार थाः जीवन का मुकुट!

तीसरा कलीसियायी काल पिरगमुन काल था; उस कलीसिया का सुसमाचारदूत संत मार्टिन था। वह काल सन् 312 ईसवीं से सन् 606 ईसवीं तक था। शिकायत थीः झूठी शिक्षा, शैतान के द्वारा पोप वाले साम्राज्य की स्थापना किया जाना, तथा कलीसिया और सत्ता का आपस में वैवाहिक गठबंधन में जुड़ जाना। पुरस्कार थाः गुप्त मन्ना और एक श्वेत पत्थर!

और चौथा कलीसियायी काल थुआतीरा कलीसियायी काल था; कोलम्बा उस कलीसियायी काल का सुसमाचारदूत था। इसकी समयावधि सन् 606 ईसवीं से सन् 1520 ईसवीं थी। और यही वह काल था जिसमें पोप लोगों को भरमा रहा था। यह अन्धेरे काल थे।....(आप जानते हैं, कि गत रात्रि हमने अन्धेरे कालों का अध्ययन किया था।).....और उसके दूत के लिए जो पुरस्कार था वह थाः जाति जातियों पर शासन करने का अधिकार और भोर का तारा।

18 अब, आज रात्रि हम पाँचवें कलीसियायी काल पर—जो कि सरदीस कलीसियायी काल है, स-र-दी-स काल है, पर अध्यापन करना आरम्भ करने जा रहे हैं। और इस काल का जो सुसमाचारदूत है वह मार्टिन लूथर है, और वह आज भी बाइबिल के ज्ञाताओं या शिक्षकों या जन साधारण में और भी जाना माना है। और इस कलीसियायी काल का आरम्भ सन् 1520 ईसवीं में हुआ, और इसकी समाप्ति सन् 1750 ईसवीं में हुई, अतः इसकी समयावधि 1520 ईसवीं से लेकर 1750 इसवीं तक रही, और यही वह काल है जिसे हम सुधार काल कहते हैं। और शिकायत थीः अपने ही नाम का उपयोग किया जाना। और जो थोड़े से लोग बाकी बचे रह गये थे उनके लिए पुरस्कार यह था कि वे

उसके साम्हने श्वेत वस्त्र पहनकर चलेंगे, और उनके नाम मेमने के जीवन की पुस्तक में लिखे हुए हैं। होने पाये प्रभु ही हमें आशीष प्रदान करे, जबकि अब हम इसका अध्ययन करते हैं।

अब, हम इस कलीसियायी काल के सन्देश को- उस सन्देश को जो सरदीस के लिए था, तीसरे अध्याय के पहले पद से पढ़ने जा रहे हैं - यह सुधार कार्य का काल था, विश्वास करने वाले थोड़े से ही लोग बाकी बचे रह गये थे, वे बस लगभग पूर्णतः ही बाहर हो गये थे।

19 अब, आप जो आये हुए कुछ नये लोग हैं; हो सकता है आप इस पर यहाँ से ये कहें, कि.....जिससे कि आप इस पर पीछे न रह जायें....यह बल्कि अलंकरित तो नहीं है, और हम किसी समय इन सन्देशों को आकर वहाँ पर चित्रित करने जा रहे हैं जहाँ हम उन्हें चित्रित करके रख सकते हैं; हम दोपहर बाद अन्दर आयेंगे और उसे ऊपर टांग देंगे; शायद हम ऐसा रविवार को करें।

अब देखिए, इसमें से प्रत्येक एक एक कलीसियायी काल को दर्शाता है। पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँचवां, छठां, सातवां। इसका आरम्भ फिलेदिलफिया से.... 31. और यह जो यहाँ ऊपर है, यह पिन्तेकुस्त वाली सामर्थ को, या उस एक कलीसिया को दर्शाता है जो पिन्तेकुस्त पर थी। आरम्भ में यह एक अच्छी खासी बड़ी कलीसिया थी, परन्तु लोगों ने उनके मध्य में एक-एक नामधारी कलीसिया वाली आत्मा को अन्दर लाना आरम्भ कर दिया था; वे कलीसिया को संस्थागत करने का प्रयास करने लगे थे, जो कि "नीकुलाइयों के काम" कहलाये थे। आप जो बिलकुल पीछे हैं, क्या आप मुझे सुन सकते हैं? क्या? बिलकुल ठीक है! ये नीकुलाइयों के काम थे। अब, यह अभी तक एक शिक्षा नहीं थी।

और इसके बाद हमने वचन को लेकर उसका सन्धिविच्छेद किया था, कि कार्य" क्या थे, और "नीकुलाइयों" क्या थे। यह नीकुलाइयों हमारे लिए एक विदेशी शब्द था। अतः मैंने इसका ग्रीक शब्द लेकर सन्धिविच्छेद किया था। और "नीको" का अर्थ "जीतना" या "जय पाना" ,या "किसी चीज को उखाड़ फेंकना" होता है। नीकुलाइयों को देखिए, "लाइटयन", या "लैयटी" कलीसिया है। अतः नीकुलाइयों एक ऐसे काम थे जो लैयटी को-कलीसिया को उखाड़ फेंकने का यत्न कर रहे थे, और सारी की सारी आशीषे रख डाली थीं.....और यह ठहरा दिया था,कि बाइबिल पढ़ने वाला जो एक मात्र जन होगा, उसका अर्थ बतानेवाला जो एक मात्र जन होगा वह बिशप या कलीसिया का कोई बड़ा मुखिया होगा।

20 इसके बाद हमें दूसरे कलीसियायी काल में यह विदित हुआ, कि इसे दबाकर जबरन बाहर निकाला जाने लगा था। यह अभी भी पिन्तेकुस्त वाली ही थी; और यह नामधारी कलीसिया है जो "डी" अक्षर से है। 34. अब, तीसरे कलीसियायी काल में, पिरगुमन कलीसियायी काल में पिन्तेकुस्त को जबरन दबाकर लगभग बाहर ही निकाल दिया गया था। परन्तु यहाँ पर ये "काम" नामधारी कलीसिया की शिक्षा बन गये थे.....यह सभी समय आगे बढ़ते हुए यहाँ पर एक शिक्षा बन जाते हैं। इसके बाद वे यहाँ पर सचमुच में वैवा....ठीक यहाँ पर वैवाहिक गठबन्धन में बन्ध रहे थे। उन्होंने विवाह कर लिया था.....इस वाले समूह ने जो यहाँ पर था पिन्तेकुस्त वाले समूह के अधिकार को छीन लिया था

अब, भाइयों, मैं जिस प्रकार से इसे बतला रहा हूँ; यह एक इमानदारी भरी सच्चाई है। यह इतिहासकारों के पुनीत लेखनों के अनुसार है। नीसियन सभा पर जो पुस्तकें हैं,फोक्स की जो "शहीदों की पुस्तक"(बुक आफ़ैं मारटियर) है, तथा प्राचीनकाल के जो ये सारे महान लेखन हैं — ये बातें उन्हीं के अनुसार हैं। मेरे पास प्राचीन हस्तलिपियों में से कुछ हस्तलिपियाँ हैं।

और हर कोई... मैं इसे ....से नहीं कह रहा हूँ.....अब मैं इसे पिन्तेकोस्तल से नहीं कह रहा हूँ। इसका वह अर्थ नहीं है.....जब मैं पिन्तेकुस्त (पिन्तेकोस्तल) कहता हूँ, तो इसका इस दिन की इस संस्था से कोई मतलब नहीं है जिसमें हम रह रहे हैं। यह तो वैसे ही दोषी है। जैसे वे बाकी दोषी हैं। परन्तु मेरा अभिप्राय तो सच्ची पिन्तेकुस्तीय कलीसिया से है। जिसके पास मूल शिक्षा सहित परमेश्वर का असली पवित्र आत्मा था; उसमें परमेश्वर की मूल आशीषे, मूल नाम थे; इसमें सब कुछ बिलकुल ठीक वैसे ही था जैसे यह आरम्भ में था, जैसाकि यह बाइबिल में होकर आगे बढ़ता चला गया था।

21 अब, इसके बाद जब हम इस काल पर आते हैं, तो आप देखें पिन्तेकुस्त कितनी दूर चला आता है? आप जो बिलकुल पीछे हैं, क्या आप इसे बिलकुल ठीक ठीक देख सकते हैं? आप जो पीछे हैं क्या आप इसे बिलकुल ठीक ठीक समझ सकते हैं? बिलकुल ठीक है! अब, यहाँ पर आता है....गत रविवार को वह महान काल आता है जिसमें हम यहाँ पर कॉन्सटैन्टाइन.....कॉन्सटैन्टाइन को देखते हैं। मैं इस पर "कॉन्स" लिख दूंगा ।

वह चूँकि पागान धर्म का माननेवाला था .....उसने यहाँ पर इन मसीहियों (उन से जिनके पास नीकुलाइयों की शिक्षा थी) से कहा था ...यदि वे प्रार्थना करेंगे, कि वह इस अमुक-अमुक युद्ध में जीत जाये, तो वह एक मसीही बन जायेगा। उस समय के दौरान जब वह युद्ध में था, तो उसने एक स्वप्न देखा था, कि उसे करना चाहिए....उसके ससमने श्वेत क्रूस रखी गयी, और कहा गया, "इससे तू जीत जायेगा।" और यह सच है। इसके बाद उसने अपनी फौज को जगाया, और उसकी ढालों पर श्वेत रंग की क्रूस पुतवायी, और यहीं पर आज के कैथोलिक प्रबन्ध का आरम्भ हुआ, या यहीं आज के कैथोलिक प्रबन्ध का जन्म स्थान हुआ-जो कि "नाइटस् ऑफ कोलम्बस" कहलाया था।

22 अब, अब कॉन्सटैन्टाइन ने वहाँ पर .....आप उसके मसीही होने के विषय में इतिहासों में से कोई एक भी ऐसी बात नहीं ढूंढ़ सकते हैं। वह और कुछ नहीं, वरन एक धोखेबाज राजनीतिज्ञ था। उसके दिमाग में तो अपने साम्राज्य को एकीकृत करने का और उसे शक्तिशाली बनाने का विचार था। अतः चूँकि वह खुद एक पागानवादी था, उसने मूरतों की पूजा-उपासना की थी; इसके बाद उसने देख लिया था, कि नीकुलाइयों की शिक्षा ज़ोर लगाकर एक स्थिति तक बाहर निकल आयी है—अतः उसने ठीक इस नीति का उपयोग किया, जैसाकि हमने इसे पिछली रात मालूम किया था। 38. और यीशु ने इसकी इसके घटित होने से तीन सौ चार वर्ष पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी, कि वह बालाम की शिक्षा सिखायेगा; कैसे उस बालाम ने इस्राएल की सन्तानों को भरमाया था; और उनसे व्यभिचार करवाया था....और चढ़ावा चढ़वाया था...उनको मूरतों के आगे के चढ़ाये चढ़ावों को खिलवाया था।

अब, हम जानते हैं, कि मूरतों के आगे चढ़ायी वस्तुओं को खाना सचमुच में उनकी पूजा करना ही था। वे अन्दर जा रहे थे, वे मूरतों को दण्डवत् कर रहे थे, मसीही कलीसिया में मूरतों की स्थापना कर रहे थे। वह वैसा ही कर रहा था जैसाकि पूर्वकाल में बालाम ने किया था; उसने इस्राएल के साथ व्यभिचार करवाया था, और वे मूरतों के इस बड़े पर्व में जा रहे थे।

23 खैर, कॉन्सटैन्टाइन ने अपनी नीति के द्वारा ठीक ऐसा ही काम किया था; और उसने एक कलीसिया बनायी थी।

उसने उन्हें नीसियन सभा में बहुत कुछ दे डाला था। और इसके बाद उन्होंने....और उसने जो बड़ी बड़ी इमारतों का निर्माण कराया था, उसने उन्हें इन गिरजों में तबदील कर दिया था। और इसके बाद उसने संगमरमर की एक बड़ी वेदी बनवायी, और उसे सोने और मणियों से सजवाया। और वहाँ सबसे ऊपर उसने एक सिंहासन जैसा रखवाया; और उसने एक पुरूष को प्रधान बनाया, जो कि एक ऐसा था....तब वह

एक बिशप कहलाता था। और उन्होंने उसे इस सिंहासन पर आसीन किया।

बोनीफेस तृतीय को उस सिंहासन पर बैठाया गया। वह उस प्रकार के वस्त्र पहने हुए चारों ओर चहल कदमी नहीं करता थाजैसे कि वस्त्र खेतीहार पहना करते थे; वरन उसे तो देवता के जैसे ही वस्त्रों से सुसज्जित किया गया; और उसे वहाँ ऊपर आसीन किया गया; और उसे "दा विकार", या "विकार" या "विकारियस् फ्लि दैयी" (VICARIUS FILLI DEI), कहा गया जिसका अर्थ "परमेश्वर के बदले में होता है।

24 अब जिसके पास बुद्धि है वह इस विकारियस् फ्लि दैयी को लिखकर रेखांकित कर लें। और जब आप यहाँ नीचे एक लकीर खींच कर अंकों को जोड़ते हैं, तो आपको बिलकुल ठीक ठीक वह मिलता है जो परमेश्वर ने पशु की छाप के विषय में कहा था; आपको यह अंक छः सौं छियासठ मिलता है। देखिएं, विकारियस् फ्लि.....

अब देखिए, मैं रोम जा चुका हूँ, और मैं वैटीकन जा चुका हूँ, और उसका एक तिहेरा मुकुट है जो : नरक, स्वर्ग, और शोधक अग्नि के अधिकसर-क्षेत्र.....को दर्शाता है.....समझे? मैंने ठीक वहाँ पर उसके कमरबंद को, उसके मुकुट को देखा है वास्तव में, मुझे वहाँ पर गुरूवार को दोपहर-बाद तीन बजे उस पिछले पोप से जो वहाँ पर था मुलाकात करनी थी। बेरोन वोन ब्लोमबर्ग के पास था...और उसने कहा था, "अब, भाई ब्रन्हम, जब आप जाते हैं, तो पहला काम आपको यह करना है, कि आपको अपने दांये घुटने पर झुक कर उसे दंड़वत् करना है और उस अंगूठी का चुम्बन करना है।"

मैंने कहा, "यह गलत बात है। यह गलत बात है।बस इसे भूल जाओ। मैंने कहा, "मैं देता हूँ....मेरे पास उस पुरूष के विरोध में कोई बात नहीं है, वह तो ....?....परन्तु मैंने कहा, "एक बात है, किसी मनुष्य को मैं उसकी उपाधि पर सलाम तो दूंगा। यदि वह एक माननीय, एक बिशप, प्राचीन, डॉक्टर, या जो कुछ भी है, यह बिलकुल ठीक बात है, कि मैं प्रसन्नतापूर्वक इंसान को सलामी देंगा; पर किसी इंसान को दंड़वत् करना। मैं अपना सारा आदर-मान एक ही मनुष्य जो कि यीशु मसीह है, को देता हूँ। यही एक ऐसा मनुष्य है जिसके आगे मैं दण्ड़वत्....सिजदा करता हूँ।" मैंने कहा, "बस इसे भूल जाओ। बस इसे खारिज कर दो।" मैं ऐसी बात ग्रहण नहीं करूंगा।

और अतः मैंने, जब मैं घर आया, तो उसके बाद मुझे मालूम हुआ, कि एक और महान अमेरिकन था जिसने ऐसा ही किया था, वह टैडी रूसेवेल्ट था। उसने.....के..कारण ही ऐसा करने से मना कर दिया था.....क्या आपको इतिहास से यह स्मरण है? ऐसा है, उसने पोप से मिलने से इसलिए मना कर दिया था, क्योंकि उसको उसकी अंगूठी चूमनी थी, अथवा आप जानते हैं; कि उनके पास एक बड़ा पांव का पंजा भी होता है । अतः ....ओह, नहीं; वह बाहर निकल आया था। अतः इसके बाद.....

25 हालांकि.....अब देखिए, जैसाकि बालाम....इसके बाद जैसाकि हमने गत रात्रि को मालूम किया था.....

अब इससे पहले कि हम यहाँ से आगे बढ़ें, हम देखते हैं कि इस कलीसियायी काल ने अपने आपको एकीकृत करके अपनी शक्ति बढ़ा ली थी, और विवाह कर लिया था; कुछ पागान विचारधाराओं को अपना लिया था, उन पागान मूरतों को जो कलीसिया में थी स्थापित कर डाला था। उसने जूपीटर देवता, सूर्य देवता, वीनस देवता, तथा उन सब देवताओं की मूर्तियों को पागान कलीसियाओं से बाहर निकालकर उनके बदले में पौलुस, पतरस, कुंवारी मरियम तथा उन सभों की मूरतों को स्थापित कर दिया, और कहा, "ये रहा तुम्हारा विकार- "परमेश्वर के पुत्र के बदले में"- क्योंकि यीशु ने पतरस को बताया था, मैं तुझे कुँजियाँ दूंगा", और यह एक प्रेरितक उत्तराधिकार है। और इस दिन तक अभी भी यह एक कैथोलिक शिक्षा ही है। और उन्होंने मूरतों की स्थापना की। और उन्होंने क्या क्या किया था? वे मसीहियत के अन्दर मूर्तिपूजा को लेकर आये, तथाकथित मसीहियत में इसे लेकर आये; असली मसीहियत में नहीं, क्योंकि पिन्तेकुस्त वाले थोड़े से....

26 अब, स्मरण रखिए, ; मैं नहीं...मैंने यह बात बैपटिस्टों, मैथोडिस्टों, प्रेसबीटेरियनों के लिए नहीं कही, वे सब तो उसके अन्दर ही हैं। परन्तु परमेश्वर की असली सच्ची कलीसिया तो पिन्तेकुस्त वाली कलीसिया थी; और है; और हमेशा रहेगी। यही है वह जहाँ कलीसिया आरम्भ हुई, यही है वह जहाँ से कलीसिया पिन्तेकुस्त वाली सामर्थ के साथ आरम्भ हुई। अब आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, क्या यह सच है?"

मैं आप से यही कहूँगा, कि आप इतिहासों का अध्ययन करें, और समय की धारा में होकर यहाँ पर दृष्टि डालें और मालूम करें, कि क्या परमेश्वर की उन असली सच्ची सन्तानों में से हर एक उस पिन्तेकुस्त वाली आशीष पर नहीं टिका हुआ था; और क्या उन्होंने अन्यान्य भाषाऐं नहीं बोली, और क्या अन्यान्य भाषाओं का अनुवाद नहीं किया, क्या उनके पास चिन्ह और आश्चर्यकर्म नहीं थे; क्या उन्होंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा नहीं दिया, हर एक वह काम जो प्रेरितों ने किया था उन्होंने भी ठीक उन्हीं कामों को आगे तक किया। यही कारण है, कि इतिहास का अध्ययन करके

मैंने पौलुस को लिया, और इरेनियस, और ....और उसके बाद संत मार्टिन, कोलम्बा को लिया, और उनमें से हर एक पुरूष जो यहाँ तक इस काल में हुए उनके पास चिन्ह और आश्चर्यकर्म थे।

27 बिलकुल ठीक है, उसने कहा था....माइक में थोड़ी सी गड़बड़ी थी.....क्या यह बेहतर है? बिलकुल ठीक है! नहीं; वे अपना सिर हिला रहे हैं, बिल, अब वे इसे बिलकुल भी नहीं सुन सकते हैं । बिलकुल ठीक है! क्या आप क्या यह.....अब देखिए, अब क्या आप मुझे सुन सकते हैं? अब, यह कैसा है? क्या यह बेहतर है? क्या ऐसा है.....सब कोई कहे, "बोन, यह बिलकुल ठीक है।" यह आपके विपक्ष में एक अंक है। यह बिलकुल ठीक है, ओके!

28 अब, इसके बाद यहाँ पर इस काल में जब उसने इस बड़ी चीज को बना लिया, तो उसने इस पुरूष को यहाँ पर सभी कलीसियाओं के ऊपर एक विश्वव्यापी पोप के रूप में ठहराया, उन्हें ढ़ेरों धन-दौलत तथा ऐसी ही चीजें दीं, और उसने इसका वायदा भी किया; और उसने कलीसिया और राज्य-सत्ता का आपस में एक साथ एकीकरण किया; और यह करने दिया, कि कलीसिया राज्य पर अधिकार करे। उसे एक बड़ा इन्सान बनाया....अतः बिलकुल ठीक ऐसा ही वहाँ पर.....

जो कॉन्सटैन्टाइन ने किया ठीक वही काम हम इस दूसरी कलीसिया में पाते हैं, जिसके विषय में परमेश्वर ने कहा था, तू उस स्त्री इजाबेल को रहने देता है जिसने एलिय्याह के दिनों में उसके लोगों के आगे ठोकर का कारण रखा था। ऐसा ही अन्धेरे काल में हुआ था। और अब यहाँ पर दृष्टि डालकर देखिए, कि अब पिन्तेकोस्तल क्या है। इसे बस घोर अन्धकार में कर दिया गया था। और ऐसा लगभग एक हजार वर्ष के लिए रहा.....ऐसा लगभग सन् 500 ईसवीं से लेकर 1500 ईसवीं तक रहा— ठीक ऐसा ही 606 से 530—520 ईसवीं तक रहा.....यह बिलकुल ठीक ठीक एक संख्याँ है; लेकिन यह पूरे एक हजार वर्षों तक रहा। वे करेंगे...यह रक्तरंजित सतावा.....पीड़ित किया जाना .....आप इतिहास पढ़ लें।

29 अब, एक कैथोलिक आपको बतायेगा, कि मसीही कलीसिया.....वे ही मसीही कलीसिया थे। वे तो संस्थागत हुई मसीही कलीसिया ही हैं।

परन्तु सच्चे पिन्तेकुस्तीय लोगो को तो पोपों और बिशपों के द्वारा जबरन दबाकर बाहर निकाल दिया गया था, जान से मार डाला गया था; उनकी हत्याएं की गयी थीं; और मौत के घाट उतार दिया गया था; और इस प्रकार का सब कुछ किया गया था; यह उतना रक्तरंजित था जितना कि यह हो सकता था।

अब, ऐसा कहने के लिए किसी दिन मुझे अपनी जान गंवानी होगी। समझे? परन्तु एक बात सुनिश्चित है! मैं जानता हूँ कि मैं किस राह पर बढ़ता चला जाता हूँ; और वैसा ही मैं हूँ..... समझे? वह तो बस लोहू से सनता चला जा रहा है। परन्तु अब वह घड़ी आ रही है; जैसाकि आप उसके मुताबिक देखते हैं जो इस देश में हो रहा है, ऐसा होने में बहुत अधिक समय नहीं लगेगा। आप कभी भी उसके समर्थन में न जुटना। यही सच्चाई है, इसी के संग अड़िग बने रहना। उस दिन आप उनके जैसे ही इसमें अपना लोहू मिला डालना।

30 अब, आप यहाँ पर देखते हैं, कि यही है वह जो घटित हुआ था। इसके बाद यहाँ अन्दर इजाबेल की शिक्षा चली आती है। इजाबेल एक ऐसी स्त्री थी जो पागान.....अहाब ने ठीक वही काम किया था जो कॉन्सटैन्टाइन ने किया थाः उसने अपने साम्राज्य की शक्ति बढ़ाने के लिए इस स्त्री से विवाह किया था; और वह इस्राएल के अन्दर ठीक वैसे ही मूर्तिपूजा लेकर आयी थी जैसे कि कॉन्सटैन्टाइन पिछले समय में वहाँ लेकर आया था। और पिन्तेकुस्त तो लगभग समाप्त ही हो गया था। अब, परमेश्वर ने मार्टिन लूथर को उठा खड़ा किया था।

मैं चाहता हूँ, कि आप यहाँ इस बात पर ध्यान दें, कि यह यहाँ पर किस प्रकार बुझता चला जाता है और लगभग पूरी तरह से धूमिल होता चला जाता है; इसके बाद बामुश्किल यहाँ पर आरम्भ होता है; और यहाँ नीचे आता है। समझे? और एक प्रकार से मैंने उसपर निशाना अंकित किया हुआ है, क्योंकि यदि प्रभु ने चाहा, तो यह रविवार रात्रि के लिए एक महान सबक होगा।

31 अब, अब देखिए, मेरा मानना है, कि एक प्रकार से हम वहाँ तक आ पहुँचे हैं जहाँ इस समय हम हैं।

अब, ठीक यहाँ पर अन्धेरा काल है; ठीक यहाँ पर सन् 1500 ईसवीं से.... 606 ईसवीं से 1520 ईसवीं तक यह अन्धेरा काल है। ठीक यहाँ पर यह है। मैं इसे यहाँ पर रखेंगा जिससे कि आप....सन् 606 से सन् 1520 ईसवीं तक जो समयावधि है वह अन्धेरा काल है; यह जो यहाँ पर कलीसियायी काल है वह अन्धेरा काल है। अब देखिए, यह कलीसिया जिस पर हम अब आ रहे हैं यह लूथरन कलीसिया है।

वहाँ उस पिछले समय में उन लोगों में से लगभग हर एक मृत्यु को प्राप्त हुआ.....ये पुरूष जैसे इरेनियस और मार्टिन और कोलम्बा— वे धूमिल होते चले गये थे। अब आप जिस किसी को चाहे उसे किसी भी इतिहास में से— यदि वह एक प्रमाणिक इतिहास है- उसमें से खोजबीन करके देखना चाहें तो देख सकते हैं। जब वे आपको बताते हैं कि सन्त पैट्रिक एक कैथोलिक था; तो वे नहीं जानते हैं कि वे क्या कह रहे हैं। सन्त पैट्रिक ने कैथोलिक कलीसिया का विरोध किया था, और वह कभी भी रोम नहीं गया था; उसने तो दृढ़तापूर्वक उनकी शिक्षा को ठुकरा दिया था। यह बिलकुल सच बात है। आप आज दक्षिणी इंगलैंड या दक्षिणी आयरलैंड जायें, और आपको ठीक ऐसी ही बात वहाँ पर देखने को मिलेगी। संत पैट्रिक परमेश्वर का एक जन था। परन्तु जब वहाँ पर संत पैट्रिक के विषय में यह कहा जाता है, कि उसने आयरलैंड के सारे सांपों को खदेड़ कर बाहर निकाल दिया था, तो यह एक किंवदन्ती है।

32 आप में से कितनों ने विलियम टेल के विषय में यह सुना और पढ़ा है, कि उसने अपने ही लड़के के सिर पर रखे सेब पर निशाना लगाया था? यह एक कैथोलिक किंवदन्ती ही है। ऐसी कभी कोई बात नहीं रही जो ऐसा हुआ हो। मैं ठीक वहाँ पर था जहाँ पर ऐसा घटित होने के विषय में कहा गया है। इस किंवदन्ती को तो वहीं पर लिखा गया था, ऐसा स्विट्जरलैंड में नहीं हुआ था।

बिली और मैं वहाँ पर उस लूसरनी झील के तट पर बैठे हुए थे जहाँ उसने उन कामों को किया था। और उसने एक मनुष्य को तीर से मार डाला था, और उसने अपने लड़के के सिर पर सेब रख कर तीर का निशाना नहीं लगाया था। यह तो बस एक किंवदन्ती ही है, अन्धविश्वास तथा ऐसी ही और दूसरी बात है। ऐसा कभी नहीं हुआ था। उनके पास इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है, जहाँ यह घटित हुआ हो, या ऐसा ही कुछ घटित हुआ हो जो उन्होंने कभी किया हो। और उसने ही इसे सचमुच में वहाँ पर फैलाया है और बताया है कि ऐसा हुआ था। अब, परन्तु इसमें ऐसा है, कि सचमुच में ऐसा कोई इतिहास नहीं है जो कहता हो कि उसने ऐसा किया है।

33 अतः अब यहाँ पर इस काल में ऐसा होता है, कि यही है वह जहाँ पर यह लगभग मन्द पड़ जाता है, अपने अस्तित्व को लगभग पूरी तरह से खो डालता है। अब, इस दूसरे काल में सुधार का काल आता है। अब अन्धकार और कालेपन और उजियाले के लोप हो जाने की इन बातों के लगभग हजार वर्षों के बाद तथा इसी प्रकार की और दूसरी बातों को होते हुए कलीसिया एक प्रकार से इरेनियस वाली दृष्टि खो चुकी थी। वह एक महान पुरूष था, वह एक भक्त जन था।

ठीक ऐसे ही वे अनमोल संत थे जिन्होंने अपने जीवनों के लोहू को उन बड़े बड़े मैदानों में खड़े होकर स्वेच्छापूर्वक मसीह यीशु की खातिर, यीशु मसीह के नाम के बपतिस्में की खातिर; अन्यान्य भाषाओं के बोलने की खातिर न्यौछावर कर दिया था; उनके जीवनों में यीशु मसीह का पुनरूत्थान और उसकी दिव्य उपस्थिति का वास पाया जाता था, जबकि वे लोग जो स्वयं अपने आपको मसीही कह रहे थे इन्हें सता रहे थे। यह सच बात है। यह बिलकुल सच बात है।

34 ओह यह है एक—यह नरक की प्रेतात्माग्रस्त सेना है; जिसके लिए मैं नहीं जानता हूँ, कि वह किस के योग्य है।

वे इस पर उभर कर चले आते हैं और स्वयं अपने को एक रूप में ढालते चले जाते हैं, और स्वयं अपने को बनाते चले जाते हैं, कि वह स्वयं अपने को एक भविष्यद्वक्तनी कहती है। वह अपने को वचन का दिव्य अनुवाद करने वाली बताती है; कोई और नहीं, वरन वे ही यह जानते हैं। वह स्वयं अपने को ऐसा कहती है, परन्तु वह एक झूठी ही है। समझे? परन्तु ठीक इस समय पर परमेश्वर के पास उसका सुसमाचारदूत सत्य समेत वहाँ पर होता है। सत्य तो हमेशा ही वापस इसकी ओर....हमेशा ही मूलभूत सच्चाई की ओर ही लौटकर जाता है, क्योंकि परमेश्वर उससे कभी नहीं बदलता है।

अब देखिए, और कल रात्रि हमने इसे भी विदित किया था; अतः इससे पहले कि हम इसे छोड़ कर आगे बढ़ें, यह आपके हृदयों पर अंकित हो जायेगी। हमने केवल यही नहीं किया था.....हमने नमूने के तौर पर इसे (इजाबेल को) भी देखा था, कि उसकी एक पुत्री थी। क्या आपको यह स्मरण है? प्रकाशितवाक्य 13 में उसे धर्म का त्याग करने वाली कलीसिया कहा गया है, जो कि रोम है, और उसकी पुत्रिया भी हैं । वह वेश्याओं की माता थी। क्या यह सच है? इजाबेल की एक पुत्री थी, और इस इजाबेल ने अपनी पुत्री के साथ क्या किया था? देखिए; क्या वे सभी बातें उदाहरण और प्रतिछाया हैं? इजाबेल ने देखा कि उसकी पुत्री ने यहोराम से जो यहूदिया में यहोशापात का पुत्र था विवाह कर लिया था।

35 उस समय इस्राएल इसी प्रकार बंटा हुआ था । यहाँ पर यरूशलेम था, और यहाँ पर यहूदिया था। क्यों, अहाब यहाँ पर था, और यहोराम यहाँ पर था।

यह बिलकुल ठीक है, कि इजाबेल इस पर जयवंत हो गयी थी; और सारे इस्राएल ने मूरतों को अपना लिया था। इसके बाद (एलिय्याह और उस विश्वासी छोटे झंड़ को छोड़कर सारे के सारों ने मूरतों को अपना लिया था).....यह बिलकुल ठीक बात है। अब देखिए, यहाँ इस ओर यहूदिया में यहोराम था; और जब इजाबेल की अहाब के द्वारा एक पुत्री हुई तो उसने अपनी इस पुत्री का विवाह यहोराम के पुत्र..... या यहोशापात के पुत्र से जो कि यहोराम था किया था; और वह यहूदिया में मूर्तिपूजा लेकर आयी थी और उसने यरूशलेम में पागान वेदियों को स्थापित किया था।

बिलकुल ठीक ऐसा ही कैथोलिक कलीसिया ने किया। उसने अपनी नामधारी कलीसिया वाली शिक्षा को तथा ऐसी ही और दूसरी बातों को बाहर फैलाया, और अपनी पुत्रियों (लूथरन, मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पिन्तेकोस्तल, तथा इसी प्रकार की और दूसरी) के साथ मिलकर पवित्र आत्मा को कलीसिया से निकाल बाहर किया। बिलकुल ठीक ऐसा ही उसने किया था। बाइबिल कहती है, कि "वह वेश्याओं की माता है।" अब, आप बस पवित्र वचनों को देखते चले जायें। यदि आप....आप वचन में कोई ऐसी बात देखते हैं जो अलग है, और इतिहास उन बातों का बिलकुल ठीक ठीक उल्लेख कर रहा है, तो आप मेरे पास एक सज्जन पुरूष के जैसे आयें। समझे? यह सच है, कि ऐसी बात वहाँ पर पायी ही नहीं जाती है।

36 ये नामधारी कलीसियाऐं ऐसी जहरीली चीजें हैं जो हमें कभी प्रोटिस्टेन्टवाद में मिलीं, और जो कलीसिया के ऊपर मनुष्य को गवर्नर बनाने का प्रयास कर रही है; यह उसकी एक और मूरत के जैसी ही है जो सिंहासन पर बैठी थी। पिन्तेकोस्तल के प्रधान बिशप, जरनल ओवरसियर कहते हैं, ठीक है, "अब आइये, मैं देखता हूँ, कि उसकी क्या शिक्षा है। ओह, क्या वह यीशु के नाम में बपतिस्मा देता है? वह इसके अंदर नहीं आ सकता है। जी नहीं भाई, जी नहीं श्रीमान!" आप उसे ठुकरा देते हैं। उन्हें तो इसे ठुकराना ही है।

"मैं तुम्हें समझाने के लिए एक बात बताऊँगा; तुम में से कोई भी वहाँ होने उस वाली सभा में न जाये। तुम्हें उसका आमन्त्रण स्वीकार नहीं करना है। इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप कितने बीमार हैं; इससे कोई मतलब नहीं है, कि परमेश्वर क्या कर रहा है, तुम्हें उससे दूर रहना है। यदि तुम हमारे नजरिये से दृष्टि नहीं डाल रहे हो, तो क्यों तुम्हें बिलकुल भी कुछ नहीं दिखाई दे रहा है। अतः यह उस पशु की ही एक मूरत है....और इस मूरत में बोलने का जीवन था। यह बिलकुल ठीक बात है। आप जो यह सोचते हैं, कि वह बोल नहीं सकती है, आप बस एक बार उससे थोड़ा सा अडंगा लें, और आप निश्चय ही परेशानी में पड़ जायेंगे।

37 मुझे तुलसा ओक्लेहोम याद है, कि मैं.....ओह, मैं वहाँ पर एक बड़ी ही भंयकर घपलेबाजी में पड़ रहा था ; वे नामधारी कलीसियाऐं वहाँ पर चारों ओर फैलने लगी थी। और एक दिन मैं इस इमारत में बैठा हुआ था, और मैंने .....मैंने एक... एक दर्शन देखा था। मैंने एक...एक छोटा सा प्यारा सा बिल्ली का बच्चा देखा, और वह एक रेशम के तकिये पर लेटा हुआ था, और वह एक बड़ा ही प्यारा सा बिल्ली का बच्चा था। और मैं वहाँ पर चलकर गया, और मैं बिल्ली से डरता हूँ,

और मैं उसके पास पहुँचकर उसे पुचकारने लगा, और वह "घुर घुर घुर" करने लगा। आप जानते हैं, कि वे ऐसा करते हुए कैसी अजीब सी एक आवाज निकालते हैं। और मैं उसे खरोंच सा रहा था-उसे पुचकार सा रहा था, और कह रहा था, प्यारे से, छोटे से बिल्ली के बच्चे।" और आप जानते हैं कि वह जितनी अच्छी तरह से घुरघुर कर सकता था वह उतनी अच्छी तरह से घुरघुर कर रहा था। 64. और मैंने पीछे घूमकर उसके तकिये के पीछे दृष्टि डाली, उस पर लिखा हुआ था, "पिन्तेकोस्तल बिल्ली का बच्चा।" खैर, मैंने सोचा, "अब, क्या यह एक वित्रित बात नहीं है। अब, यह एक दर्शन होना चाहिए।"

और किसी ने कहा, "जब तक तुम उसके बालों को इस ओर पुचकारते रहते हो, तो सब कुछ बिलकुल ठीक रहेगा। यदि तुम देखना चाहते हो, कि वह किस का बना हुआ है, तो उसके बालों को पीछे को सहलाओ।" समझे।

अतः जब मैंने उसके बालों को पीछे को खुरचा-सहलाया, तो उसकी बड़ी बड़ी हरी आँखें बाहर निकलकर घूर रही थीं, और वहाँ पर वह एक अति क्रूर राक्षस था जो खड़ा हुआ मुझ पर उतनी जोर से थूक रहा था जितनी कि जोर से वह थूक सकता था।

जबकि मैंने उसके बालों को पीछे को थोड़ा सा ही सहलाया था। समझे? आप जरा उसे बतायें, कि उसका पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा वाला बपतिस्मा शैतान का और कैथोलिक कलीसिया है, तो देखिए, उसे क्या होता है। देखिए, वह इससे झुंझला उठता है। मैं नीचे आया, और मैंने नीचे आकर हॉल में भाई लियो, भाई जैने, तथा उनको बताया, मैंने कहा, "तब मैंने पिन्तेकोस्तल नामधारी कलीसियाओं का एक असली दर्शन पाया है।"

38 अब तीसरा अध्याय देखिए, आइये हम सबसे पहले.....सरदीस एक मरी हुई कलीसिया है। वह इसलिए मरी हुई है, क्योंकि उसकी इस समय के दौरान मृत्यु हो गयी थी। उसमें बस मात्र थोड़ा सा ही जीवन बचा रहा था; हम बस थोड़ी देर में ...मात्र ही कुछ ही देर में यह देखेंगे, कि वह क्या थी। सन् 1520 ईसवीं से लेकर 1750 ईसवीं तक यह सरदीस कलीसियायी काल रहा। और तारा या दूत..... वह तारा जो उसके हाथ में था, जो कि उस कलीसियायी काल के लिए वह एक तारा या सुसमाचारदूत था..... क्या यह बात स्पष्ट रूप से समझ आ गयी है, कि तारा एक दूत होता था, और दूत उस काल के लिए सुसमाचारदूत होता है? बिलकुल ठीक है! बिलकुल ठीक है!

39 अब, हमने नीसियन सभा के साथ समापन किया है। वह वहाँ पीछे मर गयी थी; और सब सत्ता और वैभव में चले आते हैं, और कलीसिया और राज्य-सत्ता का एकीकरण हो जाता है। और क्या किसी को स्मरण है, कि गत रात्रि के पाठ ने क्या बताया था; उन बहतेरे लोगों ने क्या सोचा था? उनकी सहस्राब्दि चल रही थी, और वे सारे के सारे ....वे सारे के सारे बिना मसीह के ही सहस्राब्दि मना रहे थे। समझे? सहस्राब्दि में जो सबसे पहला काम होता है, वह मसीह का आगमन होता है। और उन दिनों में उनके पास था.....यदि आप इतिहास लेकर खोजबीन करते हैं, तो आपको मालूम होता है, कि उनके पास झूठे यीशु थे जो उठ खड़े हुए थे, और उनके पास अन्य सब कुछ था। समझे?

और यहाँ तक कि उन्होंने सोचा था, कि पोप ही यीशु है। वे उसे विकार, अर्थात् "परमेश्वर के पुत्र के बदले में" कहते थे। जी हाँ, वह एक बड़े ही पवित्र ईश्वर के जैसे ही वहाँ पर विराजमान होता

40 आइये मैं आपको कोई बात बताता हूँ, बाइबिल कहती है, कि इससे पहले कि यीशु आये- उसके आगमन से पहले झूठे नबी और झूठे यीशु उठ खड़े होंगे। यह सच है। "देखो, यहाँ पर".....

परन्तु आइये मैं इस बात को आपके हृदय के अन्दर आत्मसाध कर दें: यीशु इससे पहले कभी भी अपना कदम पृथ्वी पर नहीं रखेगा, जब तक कि सच्ची कलीसिया का स्वर्गारोहण नहीं हो जाता है और वह चली नहीं जाती है। अब जरा इस बात को अपने मस्तिष्क में संजोकर रखें; ऐसा इसीलिए होता है, क्योंकि झूठे मसीह खड़े होंगे। परन्तु यीशु यहाँ पृथ्वी पर नहीं होगा, क्योंकि तूरही हूं की जाती है, और वह कदापि नहीं आता है; और हम ही उससे हवा में जाकर मिलते हैं। (कलीसिया तो पहले ही चली जाती है।) और उसके बाद जब यीशु

दृष्टिगोचर होता है, तो वह वापस लौटेगी। अन्य जाति के लोग उससे मिलने के लिए हवा में जाते हैं। क्या यही वचन का लेख है? समझे? वे उससे मिलने के लिए हवा में ऊपर जाते हैं, और तब हम ऊपर जाते हैं। और यीशु.....वह इस जमीन पर तब तक अपने पांव नहीं रखता है जब तक कि कलीसिया स्वर्ग में ऊपर नहीं उठा ली जाती है, और वह घर नहीं पहुँचा दी जाती है, और स्वर्ग में विवाह का भोज नहीं हो जाता है, और उसके बाद ही वह....इसके बाद ही वह शेष बचे हुए यहूदियों के पास वापस लौटता है।

41 अतः अब देखिए, कलीसिया नीसियन सभा में ही खत्म हो गयी थी; कलीसिया पोप वाले राज्य की अधीनता में लगभग एक हजार वर्ष के लिए रही। उन्होंने उन सब को घात करके मार डाला था जो उससे असहमत थे। यह बात सच है। या तो आपको उसकी आधनीता में आना होता था, अन्यथा आपको ....आपको जान से मार डाला जाता था। ठीक ऐसा ही इजाबेल ने इस्राएल के साथ किया था। इस काल में बहुत थोड़े से लोगों को छोड़कर पवित्र आत्मा अपनी उड़ान भर चुका था, ये लोग वैसे ही थोड़े से थे जैसे कि एलिय्याह और इस्राएल के वे बाकी बचे हुए लोग थे जिन्होंने बाल के आगे घुटने नहीं टेके थे।

यदि आप मुझसे चाहेंगे कि मैं इसे पढ़ें, तो यह पहला राजा उन्नीसवाँ अध्याय और 18वाँ पद है; जब एलिय्याह वहाँ पीछे गुफा में खड़ा हुआ था, और उसने कहा था, "प्रभु, उन्होंने....उन्होंने तेरे सारे नबियों को घात करके मार डाला है। उन्होंने सब कुछ किया है। केवल मैं..मैं ही अकेला बचा रह गया हूँ। और केवल मैं...मैं ही एक ऐसा हूँ जो बचकर बाहर निकल आया हूँ।" परन्तु परमेश्वर ने उसे बताया, कि उसके पास अभी भी कई सौ ऐसे लोग हैं जिन्होंने उस बाल के आगे घुटने नहीं टेके हैं। जिसे वहाँ बाहर देवता ठहराया हुआ है।

42 और वैसे ही सरदीस है। अब हम इसका अध्ययापन करना आरम्भ करते हैं। पहले पद में पाये जाने वाले "सरदीस" शब्द का अर्थ अंग्रेजी में यदि आप अर्थ देखना चाहते हैं, तो इसका अर्थ "बचकर बाहर निकला हुआ होता है। सरदीस के सच्चे लोग वे थे जो बच कर बाहर निकल आये थे। यही सरदीस का अर्थ होता है- बच कर बाहर निकल आये हुए.(बिलकुल ठीक है).....अब, आप इस बच कर बाहर निकल आये हुए पर दृष्टि डालें। अब हम पहले पद का अध्ययन करना आरम्भ करने जा रहे हैं। बहुत से.....हम इसे सुधार का काल कहने जा रहे हैं; और यदि हम इसे सुधार का काल कहते हैं, तो यह शब्द इसके लिए उपयुक्त बैठ रहा है, क्योंकि यह है.....सुधार करनेवाले —सुधार करना यही था, कि बचकर निकल आये हुए उससे बचकर बाहर निकल आये थे।

43 अब आइये हम पहला पदद लेते हैं।

...सरदीस की कलीसिया के दूत को यह लिख, कि ...जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ और सात तारे हैं, यह कहता है, कि.....मैं तेरे कामों को जानता हूँ; कि तू जीवता तो कहलाता है, पर है मरा हुआ। (तेरा एक नाम है, कि तू जीवता है , पर तू है मरा हुआ।)

अब देखिए, यह एक अभिवादन है। अब, देखिए, ये सात आत्माएँ हैं.....सात आत्माएँ और सात तारे हैं.....ये आत्माएँ दूतों के, जो कि संदेशवाहक थे, के पास पहुँचने वाली आत्माएं हैं। ये सात आत्माएं विभिन्न समय पर आया पवित्र आत्मा ही था जिसने उस दूत का अभिषेक किया जो अपने दिन का एक तारा था। पवित्र आत्मा तो अनन्त है, और वह तारा जो कलीसियायी कालों में हुआ इन कलीसियायी कालों के अन्धकार में उजियाले को प्रतिबिम्बित करने के उद्देश्य के लिए ठहराया हुआ था, जहाँ चिरागदानों और तारों को दर्शाया गया है। दूत... आत्मा यह एक ही था जो तारे के पास गया और उस कलीसियायी काल के लिए उस तारे के द्वारा पवित्र आत्मा के उजियाले को प्रतिबिम्बित किया।

हो सकता है, कि आप विस्मय कर रहे हों, कि ये सात आत्माएँ क्या हैं; ये सात कलीसियायी कालों के लिए सात सुसमाचारदूत हैं। समझे? अब देखिए, और हर बार जब भी वह तारा दृश्य पर आया, तो पवित्र आत्मा नीचे आया, और उस तारे का अभिषेक किया और उसे बिलकुल ठीक वैसा ही कायम करके रखा जैसाकि यह पहला वाला था।

44 अब, आइये मैं.....आइये मैं इस बात की आप पर पुष्टि किये देता हूँ। पौलुस ने कहा था —यदि आप यह जानना चाहते हैं, कि यह किस प्रकार का तारा था....क्योंकि आप स्मरण रखिए, शैतान भी एक तारा है, वह भोर का तारा.....अब ध्यान दीजिए, पौलुस ने कहा था...क्या आप विश्वास करते हैं, कि पौलुस इफिसुस के काल के लिए एक तारा था? उसने कहा था.....अब यदि आप यह जानना चाहते हैं, कि यह सच है कि नहीं; तो गलतियों 1;8 देखें जहाँ पौलुस ने कहा था जो तारे के पास गया और तारों को दर्शाया हो सके लिए उस तारे के द्वारा था.....वहाँ पर इसके बारे में कहने के बाद , कि एक ऐसा समय आएगा, कि फाड़ खाने वाले भेड़िये तथा ऐसे ही और दूसरे लोग आऐंगे; उसने कहा था, "यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने सिखाया है कोई और सुसमाचार सिखाये,...."

अब, आप जानते हैं, कि यह वाला पुरूष एक दूत के जैसे ; एक बड़े विकार के जैसे आ रहा था। उसने कहा था, "इससे कोई मतलब नहीं है, कि वह कौन है, यदि कोई दूत या कोई भी कभी आकर उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम्हें सिखाया है कोई और ही बात सिखाये, तो वह स्रापित हो।" क्या यह सच है।

45 पौलुस ही एक ऐसा था जिसने उन्हें फिर से बपतिस्मा लेने के लिए बाध्य किया था; उसने प्रेरितों के काम 19:5 में उनको जिन्होंने यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा नहीं लिया था, आकर फिर से इस लिए बपतिस्मा लेने के लिए बाध्य किया था, ताकि वे पवित्र आत्मा पायें।

वही एक ऐसा भी था जिसने लोगों के ऊपर अपने हाथ रखे थे; और उसने ही कलीसिया में अन्य अन्य भाषाएँ बोले जाने और आश्चर्यकर्मों के किये जाने को, दिव्य चंगाई, अन्यान्य भाषाओं में बोले जाने के वरदानों को, अन्यान्य भाषाओं के अनुवाद किये जाने को तथा वरदानों को एक प्रबन्ध में ठहराया था। क्या यह सही है? आप पहला कुरिन्थियों 12 देखें, कि पौलुस ने क्या कहा था। यह 1 कुरिन्थियों 12 है; और आप इसे ढूंढ लेंगे। उसने कलीसिया को एक प्रबन्ध में ठहराया .....परमेश्वर ने ही इन वरदानों को कलीसिया में ठहराया, और पौलुस ने उन्हें एक प्रबन्ध में ठहराया, और उसने उन्हें एक प्रबंध में ठहराया, ताकि वे परमेश्वर की महिमा के लिए काम कर सकें। पौलुस ने ही ऐसा कहा था।

इससे कोई मतलब नहीं है, कि इसके बाद चाहे कोई भी कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी नामधारी संस्था का क्यों न हों; यदि वह आपको यह बताने का प्रयास करता है, कि अन्यान्य भाषाओं में बोलने, अन्यान्य भाषाओं का अनुवाद करने; दिव्य चंगाई और आश्चर्यकर्म तथा बपतिस्मे के रूप में पवित्र आत्मा की गवाही होने के दिन बीत चुके हैं, तो वह स्रापित हो। क्योंकि ठीक वही पवित्र आत्मा जो पौलुस पर था उससे अगले वाले कलीसियायी काल में भेजा गया था; और ठीक वही पवित्र आत्मा उससे अगले कलीसियायी काल में भेजा गया था; और ठीक यही सिलसिला कलीसियायी कालों के अंत तक चलता रहता है। वहाँ ठीक वही आत्मा, ठीक वही पवित्र आत्मा होता है। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं?

46 यदि आप इस पर ध्यान दें, तो यह यहाँ पर लिखा हुआ है। लिखनेवाला जानता था। आप सात आत्माओं (Seven SPIRITS) पर दृष्टि डालें। देखिए, यह "एस" बड़े अक्षर में लिखा हुआ ऐसा है जो पवित्र आत्मा के लिए प्रयुक्त होता है। यह उनमें एक ही आत्मा था। जी हाँ! ठीक यही पवित्र आत्मा उन सात कलीसियायी कालों में जो ठीक एक सा ही उजियाला थामे हुए थे सात अलग अलग बार आ रहा है। क्या अब

आप इसे समझ गये हैं? सात कलीसियायी काल हैं, सात बार ठीक यही वाला पवित्र आत्मा इस एक से सुसमाचार को, जो उस किसी के लिए स्राप की घोषणा करता है जो इसमें परिवर्तन करता है, सात बार। लेकर आता है।

अब आप देखें, क्या वह प्रकाशन सम्पूर्ण बात के साथ मेल खाता है। उसने कहा था, "जो कोई इसमें से कुछ बाहर निकाले, या जो कोई इसमें कुछ जोड़े, उसका भाग जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाला जायेगा।" तब तो यही वह बात है जिसने सम्पूर्ण बात को ही अपने में समेट लिया है। अतः आपके लिए कोई स्थान बाकी नहीं हैं,कि आप उछले-कूदे या सिमटे फिरें; क्योंकि यह तो ऐसा ही है। यही है जो खुदा ने कहा था; यही है वह जो आत्मा ने कहा था; और यही है वह जो कलीसियाओं ने कहा।

अब, यदि आप उसको छोड़ जो पौलुस ने सिखाया था; किसी और ही शिक्षा को अन्दर घुसाने में यत्न करने में ज़ोर लगाते हैं, तो यह गलत बात है। यह बाइबिल ही सही है। उसका जीवन.....यीशु ने कहा था, "मैं उसका भाग जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाल दूंगा।"

अब, आप कहते हैं, "जीवन की पुस्तक का यह कौन सा भाग है?"

47 ऐसे बहुतेरे लोग हैं जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हुए हैं, जो निश्चय ही गिरने जा रहे हैं। आप यह जानते हैं, क्या आप नहीं जानते हैं? क्या आपको वह शिक्षा स्मरण है जो हमने किसी दूसरी रात्रि को दी थी? क्या आप इसे समझ गये थे? इस पर फिर से चर्चा करें, यह बात अब बिलकुल ठीक नहीं लगती है; ऐसा करना सही नहीं लगता है। समझे?

यहूदा इस्कोरियोती शैतान का पुत्र था, वह एक शैतान ही था जो देह में प्रकट हुआ था। बाइबिल बताती है, कि वह यही था। बाइबिल बताती है, कि वह विनाश का ही पुत्र था जो जन्मा था। आप जरा एक मिनट के लिए दृष्टि करें।

अब देखिए, इस पर तो यीशु था; यहाँ पर उसकी दांयी ओर एक चोर था; यहाँ उसकी बांयी ओर एक और था। अब, जब....यीशु परमेश्वर का पुत्र था। क्या यह सही है?

अब, कुछ लोगों को केवल तीन क्रूस ही दिखायी पड़ती हैं, लेकिन वहाँ पर चार थीः चार क्रूस थीं। अब देखिए, एक क्रूस क्या होती है? यह एक वृक्ष (काठ) होती है। क्या यह सही है? बाइबिल कहती है, "स्रापित है वह जो काठ पर चढ़ाया जाता है। वह हमारी ही खातिर एक स्राप बनाया गया, वह काठ पर चढ़ाया गया। उसे काटा गया था, परन्तु यह एक पेड़ ही था। क्या यह ठीक है? यह बिलकुल ठीक बात है। यहाँ नीचे; यहाँ पहाड़ की तलहटी पर एक और थी। यहूदा ने स्वयं अपने को गूलर के पेड़ पर लटकाया था। क्या यह सही है?

देखिए, यहाँ पर परमेश्वर का पुत्र है; वह स्वर्ग से आया, और स्वर्ग को वापस लौट रहा था, वह अपने साथ उस पापी को ले जा रहा था, जिसने प्रायश्चित किया था। यहाँ पर विनाश का पुत्र है, जो नरक (अधोलोक) से आया, और वह वापस अधोलोक को ही लौट रहा था; वह अपने साथ उस पापी को जिसने प्रायश्चित नहीं किया था (समझे?) उस पापी को जिसने कहा था, "यदि तू है..." जिसने प्रायश्चित नहीं किया था अपने साथ लेकर जा रहा था, जिसने कहा था, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आपको बचा और हमें भी बचा।"

इस वाले ने कहा था, "हम तो.....".(वह सुसमाचार प्रचारक प्रचार कर रहा है)....."हम तो अपने किये की सजा भुगत रहे हैं, पर इस मनुष्य ने तो कुछ भी नहीं किया है।" "प्रभु जब तू अपने राज्य में आये, तो मुझे स्मरण रखना।"

वह कौन था?

48 किसी.....कुछ रात्रि पहले ही या इस रात से पहले वाली रात को ही.....देखा था.....यह परमेश्वर का हाबिल है; यहाँ पर शैतान का कैन है। जैसे कैन ने हाबिल को वेदी पर घात करके मार डाला था; वैसे ही यहूदा ने भी यीशु को वेदी पर घात करके मार डाला था। यह सच है। वहाँ पूर्वसमय में अदन में धुंआ ऊपर उठ रहा था; और यहाँ नीचे फिर से ठीक वैसे ही मामले का निपटारा कर दिया था। यह बिलकुल ठीक बात है। ओह, वह पुराना मार्ग, वह पुराना आशीषित मार्ग, महिमामय है; वह तो बस महिमा से भरा हुआ है।

अब, अब देखिए, हमने यहाँ पर ज्ञात किया है.....(मुझे क्षमा करना).....सरदीस की कलीसिया के दूत से कहा गया था, उसने कहा था, वे सात आत्माएँ,.....जिसके पास वे सात आत्माएँ हैं....सरदीस के दूत को यह लिख; जिसके पास परमेश्वर की सात आत्माएँ हैं.....वह यह कहता है.....

49 और अब कितने लोग यह जानते हैं, कि परमेश्वर एक ही आत्मा है? निश्चय ही ऐसा ही है ! परमेश्वर अर्थात् पवित्र आत्माः परमेश्वर, पिता, पवित्र आत्मायह सब एक ही व्यक्ति हैं; क्योंकि मरियम पवित्र आत्मा से गर्भवती हुई थी। अब देखिए, परन्तु परमेश्वर इस पवित्र आत्मा का कलीसिया को सात कलीसियायी कालों में सात विभिन्न प्रचार सम्बन्धी उजियाले को देने के लिए उपयोग करता है। क्या आप इसे समझ गये हैं? सात कलीसियायी काल हैं।

अब आप कहते हैं, "परमेश्वर ऐसा नहीं करता है।" ओह, जी हाँ भाई! देखिएगा, उसने एलिय्याह के आत्मा का उपयोग किया था, और जब एलिशा चला गया था.....एलिय्याह चला गया था, तो एलिशा ने उसका दुगना भाग पाया था। और जब एलिशा बीमार पडकर मर गया था, तो यह फिर से यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास वापस आयाः यह ठीक वही आत्मा था, जिसने उससे वैसा ही आचरण-व्यवहार कराया था जैसा कि एलिय्याह ने आचरण-व्यवहार किया था, वह निर्जन स्थानों में रह रहा था, तथा इसी प्रकार के और दूसरे काम कर रहा था। क्या यह सही है? और ठीक उसी की अंत के दिनों में फिर से आने के लिए भविष्यवाणी की गयी है। समझे? परमेश्वर उस आत्मा का उपयोग करता चला जाता है।

50 और यीशु के ऊपर पवित्र आत्मा का अभिषेक था, वह भले काम करता हुआ बढ़ता गया। क्या यह सही है? और ठीक वही पवित्र आत्मा जो यीशु के ऊपर था पिन्तेकुस्त के दिन कलीसिया के ऊपर उतर कर वापस आया, वही उससे अगले कलीसियायी काल में आता है, ठीक वही उससे अगले कलीसियायी काल में आता है, ठीक वही उससे अगले कलीसियायी काल में आता है, और ठीक यही सिलसिला चलता रहता है। और यह क्या है? यह ठीक वही और एक अकेला पवित्र आत्मा ही है। ओह, क्या आप नहीं देखते हैं, कि यह परमेश्वर हमारे ऊपर पिता के रूप में; परमेश्वर हमारे साथ पुत्र के रूप में और परमेश्वर हमारे अंदर, पवित्र आत्मा के रूप में, वाली स्थिति है। ये तीन कार्य स्थितियाँ हैं, और ये तीन परमेश्वर नहीं हैं। समझे? वे तीनों उपाधियाँ अर्थात् पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा एक ही नाम सेः यीशु मसीह से ही सम्बन्धित हैं। यह बिलकुल ठीक बात है।

51 अब, जैसे जैसे हम आगे बढ़ते चले जाते हैं, आप दृष्टि लगाये रखे रहें।

जिसके पास वे सात आत्माएँ हैं, वह यह कहता है,....दूसरे शब्दों में "वह अपने सुसमाचारदूतों को थामे रहता है"; ये सुसमाचारदूत वह

हैं जिनके ऊपर पवित्र आत्मा का अभिषेक होगा, जिनके ऊपर ठीक उसी पवित्र आत्मा का अभिषेक होगा जिसका अभिषेक पौलुस के ऊपर था, पहला वाला, दूसरा वाला, तीसरा वाला, चौथा वाला, पांचवाँ वाला, छठवां वाला, और सातवां वाला, ठीक उसी आत्मा से अभिषिक्त होगा, (ओह)..

वे सभी उसके दांये हाथ में हैं, और वे उसके दांये हाथ से ही अपना बल और अपना उजियाला प्राप्त कर रहे हैं। अब, देखिए, वह स्वर्ग पर चढ़ा। और फिल्लिपुस ने कहा था, जब वह मर रहा था—या स्तिफनुस ने कहा था, "मैं स्वर्ग को खुला हुआ, और यीशु को परमेश्वर के दांयी ओर बैठा हुआ देखता हूँ।" अब, इसका मतलब यह नहीं है, कि परमेश्वर का एक बहुत बड़ा दांया हाथ है और वह उसपर बैठा हुआ है; परन्तु दांये हाथ का अर्थ तो दांये हाथ की सामर्थ और अधिकार है।

52 वह देह जिसकी परमेश्वर ने सृष्टि की थी....."ना तो मैं अपने पवित्र जन को सड़ने दूंगा, और न मैं उसका प्राण अधोलोक में छोड़ूंगा।" परन्तु उसे जिला उठाया, और उसे आत्मा के स्थान पर वेदी पर आसीन किया। देखिएगा! जब उन्होंने उसे .....वेदी पर विराजमान देखा और उसने एक पुस्तक अपने हाथ में ली हुई थी, और न तो पृथ्वी पर, और न पृथ्वी के नीचे, और न ही कहीं पर भी कोई इस योग्य भी था कि उस पुस्तक पर दृष्टि डालता.

परन्तु वह मेमना जो जगत की उत्पत्ति से ही वध किया हुआ है,वहाँ अनादि में ही जब उसने पहले पहल आगे बढ़ना आरम्भ किया था, तो उसने देह को छुड़ाया था, उसने ही आकर उसके दांये हाथ से जो सिंहासन पर बैठा हुआ था उस पुस्तक को आकर ले लिया, और स्वयं नीचे बैठ गया। आमीन! ऐसा ही है। यह वचन का ही लेख है। यह बस मनोरम है। समझे?

53 अब, वह कहता है, "वह जो जय पाये वह मेरे साथ मेरे सिंहासन पर बैठेगा, जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के सिंहासन पर बैठ गया हूँ।" दूसरे शब्दों में वह कहता है, "मैंने अपनी देह के अन्दर पवित्र आत्मा पाया। मैंने परीक्षा में से गुजर कर पवित्र आत्मा के द्वारा संसार की इन सब चीजों पर जय पायी, और उन पर अधिकार पाया।(और उसमें परमेश्वरत्व की परिपूर्णता सदेह वास करती थी।)

स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, उसने ही ऐसा कहा था। सारा अधिकार...तब तो यह है, कि यदि वह कोई दूसरा व्यक्ति है, तो फिर तो परमेश्वर के पास कोई अधिकार नहीं रहा। क्योंकि बाइबिल कहती है, कि यीशु ने अपने जी उठने के पश्चात यह कहा था, "स्वर्ग और पृथ्वी दोनों का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।"

और यीशु स्वर्ग से हजारो हजार पवित्र लोगों के साथ आता है, और बाइबिल बताती है, कि आध घड़ी के लिए स्वर्ग खाली हो गया था। तो फिर यह बड़ा जन, यह परमेश्वर कहाँ है? हूँ— हूँ! देखा, वह मसीह के अन्दर है। निश्चय ही ऐसा ही है।

54 और जब हम पवित्र आत्मा की सहायता से ठीक वैसे ही जयवंत होते हैं। जैसे वह जयवंत हुआ था, तो हम उसके साथ सिंहासन पर बैठेंगे, जब वह दाऊद वाले अपने पृथ्वी वाले सिंहासन पर आसीन होगा, ताकि हम भी उसके साथ बैठकर वैसे ही अधिकार और सामर्थ के साथ सारी पृथ्वी पर राज्य करें जैसा कि वह यहाँ पर राज्य करता है।

"और पृथ्वी भी परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने के लिए कराह रही है और बाट जोह रही है, कि परमेश्वर के पुत्रों का प्रकटीकरण हो।" क्योंकि कुछ भी हो, यह जगत परमेश्वर को नहीं दिया गया था कि वह इसे काबू करे। आइये अब ध्यान दीजिए! यह सच है। कौन इस पृथ्वी का ईश्वर है? मनुष्य। यही उसका अधिकार-क्षेत्र है। पृथ्वी पर सारी चीजों पर, हर चीजों पर मनुष्य का ही अधिकार है। पाप के द्वारा वह गिर गया था; मसीह के द्वारा उस अधिकार को छुड़ाने के द्वारा वह फिर से वापस आ रहा है, (यह सच है), क्योंकि यह धरती मनुष्य की है, यह उसे दी गयी थी, और वही हर एक चीज के ऊपर शासक था। और सारी प्रकृति उस समय के लिए बाट जोह रही है, और कराह रही है जब परमेश्वर के पुत्र फिर से प्रकट होंगे। ओह, मेरे खुदा ! परमेश्वर के पुत्रों का प्रकटीकरण.

अब हमारे लिए यही बेहतर होगा, कि हम इसे बस यही पर छोड़ दें।

55 परन्तु सुसमाचारदूत उसके दांये हाथ में हैं, वे बाट जोह रहे हैं। जहाँ कहीं वह उन्हें भेजता है, वे ठीक एक सी ही बात बोलेंगे। क्योंकि वह पवित्र आत्मा जो मसीह में था.....ओह, आत्मा जो मसीह में था, उसके विषय में उसने तब कहा था, जब वह जाने को था, उसने कहा था, "थोड़ी देर रह गयी है, कि संसार (यह कॉस्मॉस है, जो कि ग्रीक का एक शब्द है, जिसका अर्थ संसार का तन्त्र है; यह पृथ्वी नहीं है, यह तो संसार, संसार का तन्त्र है) फिर मुझे न देखेगा। नामधारी कलीसिया, या यह जो कुछ भी है फिर मुझे न देखेगी, पर तुम मुझे देखोगे। लेकिन तुम.. (सच्ची कलीसिया, विश्वासी).. मुझे देखोगे, क्योंकि मैं- -मैं ..(यह मैं व्यक्तिवाचक सर्वनाम है।)...मैं तुम्हारे साथ जगत के अंत तक होऊँगा, वरन तुम्हारे अंदर जगत के अंत तक होऊँगा।" "यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।" क्या आप इसे देखते हैं?

56 तब तो यह है, कि यदि यह मसीह का ही आत्मा था जो पिन्तेकुस्त के दिन उतर कर आया था, जिसने उन कामों को किया था, तो यह मसीह का ही आत्मा था जो यहाँ रखा गया, यह मसीह का ही आत्मा है जो अभी भी यहाँ पर विद्यमान है, यह मसीह का ही आत्मा है जो यहाँ पर विद्यमान है। और जो आगे बढ़ता चला जाता है और जगत के अंत तक ऐसे ही आगे बढ़ता चला जाता है। यह ठीक वही पवित्र आत्मा है जिसने पौलुस को पवित्र आत्मा से भरा था और उसने उसी आत्मा के द्वारा उन कामों को किया था, ठीक वही इस वाले को भी भरेगा, इसने ही इरेनियस को पवित्र आत्मा से परिपूर्ण किया था, उसी पवित्र आत्मा ने ही मार्टिन को आत्मा से भर कर परिपूर्ण किया था, उसी ने ही उन शेष सभों को पवित्र आत्मा से भर कर परिपूर्ण किया था, और वही मुझे और आप को पवित्र आत्मा से भर कर परिपूर्ण करता है.

और यह तो पिन्तेकुस्त वाली ही एक आशीष है जो एक कलीसियायी काल से दूसरे कलीसियायी काल में आगे बढ़ती चली जाती है। वही अल्फा और ओमिगा, आदि और अंत है, दाऊद का मूल और शाख है, भोर का तारा, शेरोन का गुलाब, घाटी का सोसन है, इसके अलावा वही पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा है वही वह है जो था, जो है, और जो आने वाला है; वही अल्फा और ओमिगा है, वही सब कुछ है, वह सब में सब कुछ है। ओह, मेरे परमेश्वर! यह मुझे जोश से भर देता है, कि मैं एक यह गीत गाऊँ :

ओह, तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ, ...(यीशु ने कहा)..

तुम क्या कहते हो, कि मैं कहाँ से आया हूँ,

क्या तुम मेरे पिता को जानते हो,

या क्या तुम उसका नाम बता सकते हो?

मैं ही सम्पूर्ण सृष्टि हैं, मेरा नाम यीशु है। उसने कहाः मैं ही अल्फा और ओमिगा हूँ, मैं ही आदि

और अंत हूँ,

मैं ही हूँ वह जिसने मूसा से जलती हुई झाड़ी में बातें कीं

मैं ही अब्राहम का परमेश्वर हूँ, मैं ही भोर का तारा हूँ।...(यह सच है।)

मैं ही शेरोन का गुलाब हूँ, और तुम क्या कहते हो,

कि मैं कहाँ से आया हूँ?

मैं ही सम्पूर्ण सृष्टि हूँ, पर मेरा नाम यीशु है।

57 स्वर्ग और पृथ्वी पर सारे परिवार उसी एक सर्वव्यापी, आशीषित, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, पवित्र आत्मा के द्वारा नाम पाये हुए से, वह जो पवित्र आत्मा के द्वारा बोला, पवित्र आत्मा के द्वारा जन्मा, पवित्र आत्मा के नाम से, जन्मा के नाम से जुड़े हुए हैं। यह सच है। यह सच है कि परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी पर हर एक कुल के, हर एक चीज के लिए यह ठहराया है, कि हर एक घुटना उस नाम के आगे झुकेगा। और आकाश के नीचे कोई और दूसरा नाम नहीं दिया है। है जिसके द्वारा मनुष्य का अवश्य ही उद्धार हो: ये नहीं कि शायद हो, या हो जाये, वरन यह तो अवश्य ही उद्धार हो वाली बात है। ओह, मुझे यह बात प्रिय लगती है। यह बात बस बहुत ही भली है। यह बिलकुल ठीक बात है।

58 "जिसके दांये हाथ में."...अब, क्या आप को यह मालूम हो गया है? यह पिन्तेकुस्त वाली एक कलीसिया है, जिसमें सामर्थ, आश्चर्यकर्मों और चिन्हों के प्रकटीकरण सभी समय होते रहते हैं। अब, हम .....हम अन्धेरे कालों का अध्ययन करते हुए आगे बढ़े हैं जहाँ उसे लगभग कुचल ही डाला गया था।

अब, आइये हम दूसरा पद लें। ओह मैं सोचता हूँ, कि हम इस पहले वाले पद पर बस अभी थोड़ा सा अध्ययन करना जारी रखें।

मैं तेरे कामों को जानता हूँ, कि तू जीवता तो कहलाता है, पर है। मरा हुआ।

जब आप यहाँ पर इससे अगले कलीसियायी काल पर दृष्टि डालते हैं, तो आपको यह मालूम होता है, कि वह कहता है, "पर तू ने मेरे नाम का इन्कार नहीं किया है।" उससे अगले कलीसियायी काल के लिए वह कहता है, "तू ने मेरे नाम का इन्कार नहीं किया है। परन्तु वह इस वाले कलीसियायी काल में कहता है, "तेरा एक नाम है।" आप यहाँ पर दृष्टि डालें। इस कलीसिया ने उसके नाम को थामे रखा; इस कलीसिया ने उसके नाम को थामे रखा; इस कलीसिया ने उसके नाम को थामे रखा; और यह वाली कलीसिया अन्धेरे कालों में से होकर गुजरी और इसके विषय में कुछ भी ऐसा नहीं कहा गया; और जब वे इस ओर बाहर निकलकर जीवन के पास आयें, वे थोड़े से लोग जो बचकर बाहर निकल कर आये, जब लूथर उन्हें बाहर खींच कर निकाल कर लाया था, तो उनके लिए यह कहा गया, तेरा एक नाम है, कि तू जीवता है (तू नाम का तो जीवता कहलाता है), पर तू है मरा हुआ।"

अब देखिए, जब उन्होंने यीशु के नाम का उपयोग करना बंद कर दिया था, तो उसके बाद उन्होंने किस नाम का उपयोग करना आरम्भ कर दिया था ? पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा! और ऐसी कोई बात नहीं है। यह तो मरा हुआ... हैं....यह तो मरा हुआ धर्मशास्त्रीय ज्ञान है।

59 मुझे बताइये क्या पिता एक नाम है? यहाँ पर कितने ऐसे हैं जो पिता हैं? आप अपना हाथ ऊपर उठायें। आप में से किसका नाम पिता है? कितने ऐसे हैं। जो पुत्र हैं? और मनुष्य तो यह होता है, यही तो..... यही तो वह होता है। नहीं..इसका नाम पवित्र आत्मा नहीं है, यह तो यही होता ही है। वह नाम..पवित्र आत्मा कोई नाम नहीं है; पवित्र आत्मा तो एक उपाधि ही है; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा तो उपाधियाँ ही हैं।

अतः आप इस पर दृष्टि डालते हैं, कि यह तो वैसे ही एक अस्तित्वहीन बात है जैसे अनन्त पुत्रत्व अस्तित्वहीन बात है। अनन्त पुत्रत्व जैसी कोई बात नहीं है। एक पुत्र तो जन्म लेता है; लेकिन जो अनन्त होता है उसने कभी भी जन्म नहीं लिया।

60 जैसाकि मैंने गत रात्रि कहा था, "ऐसी कोई बात ही नहीं है, जैसा कि एक अनन्त नरक नहीं है" आपको कभी कैसे एक अनन्त नरक मिलती है? यदि ऐसा ही है, तब तो हमेशा ही एक नरक थी। परन्तु बाइबिल कहती है, कि उसे शैतान और उसके दूतों के लिए सृजा गया था। यदि नरक हमेशा से ही थी, तो यह हमेशा ही रहेगी, उसे तो आरम्भ से ही पाया जाना होगा। और क्या...कौन उसका तब उपयोग करता था जब वह अर्थात् जो खुद बा खुद ही विद्यमान है, एल, अल्लाह, एलोहीम हुआ करता था, जब कुछ भी नहीं था? नरक को तो ठीक तब भी उसके साथ वहाँ पर होना था। समझे? नरक की तो शैतान और उसके दूतों के लिए सृष्टि की गयी थी। और सारे दुष्टों को उसके अन्दर डाला जायेगा। यह बिलकुल ठीक बात है। हो सकता है, कि उन्हें वहाँ पर उसके लिए जो उन्होंने किया है, एक सौ करोड़ वर्षों के लिए दंड़ दिया जाये। परन्तु एक ऐसा समय आएगा कि उनकी दूसरी मृत्यु होगी। उनका कुछ भी बाकी नहीं रहेगा। हर एक वह चीज जिसका आरम्भ था उसका एक अन्त है। अतः जब हम अनन्त जीवन पाते हैं, तो हम उस कॉस्मिक प्रकाश का भाग ग्रहण कर रहे होते हैं जो उससे भी पहले था इससे पहले कि कभी कोई अणु होता। परमेश्वर का वही उजियाला ही हमारे हृदयों के अन्दर आता है, जो हमपर उजियाला चमकाता है, कि हम यीशु को देखते हैं। बाइबिल कहती है, कि तब हम और कुछ नहीं वरन यीशु को ही देखते हैं।

61 अब, उसने कहा, "मैं जानता हूँ, कि ....जिसके पास वे सात आत्माएँ हैं जो सात कलीसियाओं के पास भेजी गईं, वह यह कहता है, मैं तेरे सारे कामों को और इन सब के बारे में जानता हूँ; परन्तु तेरे पास एक नाम है, कि तू जीवता है, पर तू है मरा हुआ।" अब, याद कीजिए, यह किसका युग था? मार्टिन लूथर वाला, लूथरन युग।।

अब, उनकी आरम्भ में ही भर्त्सना कर दी गयी थी। यहाँ तक कि उनका तो आरम्भ भी नहीं हुआ था;

वे तो आरम्भ से ही मरे हुए थे। उन्हें मरना नहीं था, वे तो आरम्भ से ही मरे हुए थे। समझे? वे तो बस.....जबरन ही बाहर निकल आये थे।

62 अब, आप इस पर ध्यान दें। अब, आइये हम अगला पद पढ़ें:

जागृत रह; और उन वस्तुओं को जो बाकी रह गयी हैं, उन्हें दृढ़ कर; क्योंकि मैंने तेरे किसी काम को परमेश्वर के निकट पूरा नहीं पाया।

अब देखिए, इस समय वह लूथर से बातें कर रहा है। हम सब यह स्वीकार करते हैं, कि यह...यह लूथर का काल था, यह सुधार का काल था। अब, उसने क्या कहा था, "तू ने एक झूठे नाम को प्रकाशित किया है, कि तू जीवता है, पर तू है मरा हुआ।" उन्होंने क्या किया

था? वे इसे फिर से नामधारी कलीसिया के अन्दर ही लेकर चले गये थे। इसके बाद के तली कड़ाही से नहीं कह सकती है, कि वह काली है; आप कैथोलिकों की भर्त्सना न करें, (समझे?) क्योंकि आप तो फिर से वापस उसी में ही लौट आये हो, और ठीक उसी के नामों और शिक्षाओं का इस्तेमाल कर रहे हो।

और यह ठीक है, कि लूथर उन कैटेकिजमों को तथा ऐसी और दूसरी बातों को जो कैथोलिक कलीसिया की थीं लेकर बाहर आ गया था और उसने अपने लिए एक नाम धारण कर लिया था। देखिए, क्या आपको स्मरण है, वह कहता है, "तेरा एक नाम है, कि तू जीवता है-तू नाम का तो जीवता कहलाता है, तू उस मौत से जो यहाँ पर हजार वर्षों के लिए रही, बाहर निकालकर आया है और तू अभी भी उसी नाम को थामे हुए है। तेरा एक नाम है ? ताकि आप इस बात में सुनिश्चित हो जायें, यह देखिएं, कि वह दूसरी कलीसियाओं से कहता है, "तू ने मेरे नाम को थामे रखा है।" "तू ने मेरे नाम को थामे रखा है।" इस काल में उन्होंने इसे खो दिया था। और वह यहाँ पर बाहर निकलकर तो आया, और उसके लिए यह कहा गया, "तेरे पास तो कोई और दूसरा नाम ही है कि तू जीवता है, पर तू है मरा हुआ ही।"

63 ओह, तुम मैथोडिस्टों, बैपटिस्टों, प्रेसबीटेरियनों, लूथरनों, तथा पिन्तेकोस्तलों, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। तुम उन पुरानी मरी हुई शिक्षाओं से और उन बातों से जो कैथोलिक कलीसिया की हैं, जो भस्म की जानी हैं, बाहर निकल आओ; और उसकी सारी पुत्रियाँ भी उसके साथ भस्म हो जायेंगी।

ऐसा कोई नहीं है जो कह सकता हो, कि पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा, उन प्रकार की.....और उस प्रकार की बात को वे "पवित्र त्रिएकता" कहते हैं। यह त्रिएकता क्या है? मैं चाहता हूँ कि कोई त्रिएकता शब्द को बाइबिल में ढूंढे, और आकर मुझे इसके बारे में बताये। आप बस जरा त्रिएकता शब्द ढूंढे। यह तो यहाँ तक कि वहाँ पर है भी नहीं। ऐसी कोई बात ही नहीं है।

64 अब, अब देखिएः ....और जो मिटने को हैं.... "उसको थामे रख जो तेरे पास है; लूथर ने तुझे जोर लगाकर बाहर निकाला था। तू उसे थामे रख, क्योंकि वह मिटने को है। वे तुझे वापस उसी में फिर से खींच कर मिटा डालेंगे। उसे थामे रख, वह मर मिटने को है।"

अब देखिएः .....और मैंने तुझे परमेश्वर के निकट (सम्मुख) सिद्ध नहीं पाया है। क्या यह बात सुन्दर नहीं है? ओह मेरे,खुदा! मुझे यह बात प्रिय लगती है। वे सिद्ध नहीं थे। क्यों? वे बस धर्मी तो ठहरे थे; लूथर ने "धर्मी ठहरने" के विषय में प्रचार किया था; इसके बाद आपका पवित्रीकरण होना होता है, और उसके बाद आपको पवित्र आत्मा से भर जाना होता है। और इसके बाद वे खुद अपने नहीं रहे थे; वे उस पवित्र आत्मा के द्वारा जो उनके अन्दर था सिद्ध हो गये थे। समझे?

यह नहीं है...यह मसीही नहीं है जो कि सिद्ध होता है; यह तो उसके अन्दर सिद्ध पवित्र आत्मा ही होता है जो सिद्ध होता है। समझे? यही है जो.... जैसाकि मैंने कहा था, "यह पवित्र पर्वत नहीं होता है; यह तो पवित्र परमेश्वर है जो पर्वत पर होता है। कलीसिया पवित्र नहीं होती है, लोग पवित्र नहीं होते हैं, परन्तु यह तो कलीसिया के अन्दर और लोगों के अन्दर पवित्र आत्मा होता है जो पवित्र होता है। वही पवित्र भाग होता है। समझे?

65 अब, वह कहता है, "मैंने तेरे कामों को सिद्ध नहीं पाया है। तू सिद्धता तक नहीं पहुँचा है।" क्योंकि हमें अब यह मालूम होता है, कि उनके पास ठीक यहाँ पर "धर्मी ठहरना" था, उसके पास धर्मी ठहरना पाया जाता था। यह था.....नहीं, आप मुझे क्षमा करें। ठीक यहाँ पर लूथर के अन्त्रतगत धर्मी ठहरना पाया जाता था; और यहाँ पर पवित्रीकरण है; और यहाँ पर पवित्र आत्मा है। समझे?

अब, ये ही वे तीन तत्व हैं जिन्होंने उन तीन कलीसियायी कालों में कार्य किया, यही है वह जो पूर्ण जन्म का निर्माण करता है। वे तो केवल ऐसे ही गर्भ धारण किये हुए थे जैसे एक छोटा सा जीवांकुर माँ के गर्भ में होता है। यह सच है, पवित्र आत्मा जन्म की अवस्था की ओर ....

66 अब, मैं आप से कुछ पूछना चाहता हूँ। जब स्वभाविक जन्म होता है, तो सबसे पहली बात क्या होती है? जल! उसके बाद क्या आता है? लोहू ! यह सच है ! उसके बाद क्या आता है? आत्मा! यह सच है। 118. जब यीशु मरा था तो उसकी देह से क्या बाहर निकल कर आया था? जब उन्होंने उसकी पसली को भेदा था, तो जल और लोहू बहकर बाहर निकलकर आया, उसने कहा, "हे पिता, मैं अपना आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ।" जल, लोहू, आत्मा!

रोमियों 5:1 कहता है, "सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।" यह धर्मी ठहरना है। पवित्रीकरण के विषय में इब्रानियों 13:12 और 13 में पाया जाता है, "इसी कारण यीशु ने भी लोगों को अपने ही लोहू के द्वारा पवित्र करने के लिये फाटकों के बाहर दुख उठाया।"

लूका 24: 49 कहता है, परन्तु जब तक तुम उस सामर्थ को जिसकी प्रतिज्ञा तुम से की गयी है स्वर्ग से न पाओ, तुम यरूशलेम नगर में ही ठहरे रहना। जब पवित्र आत्मा तुम पर उतर आएगा, तो फिर तुम मेरे यरूशलेम से लेकर यहूदिया, सामरिया..... में मेरे गवाह होगे. यह नहीं कि जब तुम एक बिशप बन जाते हो, यह नहीं कि जब तुम डीकन बन जाते हो, यह नहीं कि जब तुम एक पास्टर बन जाते हो, यह नहीं कि जब तुम एक पोप बन जाते हो, परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम्हारे ऊपर उतरेगा, तो तुम गवाही दोगे।"

यदि आप एक डीकन है, यदि आप एक बस पास्टर हैं, ...तो आप अपनी कलीसिया और अपनी शिक्षा के विषय में ही गवाही देंगे, ...यदि आप एक पोप हैं, यदि आप एक पादरी हैं, तो आप अपनी धार्मिक शिक्षा की ही गवाही देते हैं।परन्तु जब पवित्र आत्मा आप पर उतर आता है, तो आप उसी की गवाही देते हैं। और जो कार्य उसने किये थे आप भी वे कार्य करते हैं, क्योंकि उसका जीवन आपके अन्दर होता है। ओह, ओह, मेरे खुदा! मुझे यह बात अच्छी लगती है। जी हाँ श्रीमान! मेरा विश्वास है, कि मुझे यहाँ पर यह उससे कहीं अधिक मिलता है जितना कि आप को यह वहाँ पर मिलता है। मुझे इससे बहुत ही अच्छा अनुभव होता है।

67 "जो बातें मिटने को हैं, उन्हें दृढ़ कर।"

अब वह इस बात को यहाँ पर तीसरे पद में कहता है।

सो चेत कर, कि तू ने किस रीति से शिक्षा प्राप्त की और सुनी थी,.... (मुझे यह बात अच्छी लगती है।).....और उस में बना रह, और मन फिराः और यदि तू जागृत न रहेगा, तो मैं चोर की नाई आ जाऊँगा और तू कदापि न जान सकेगा, कि मैं किस घड़ी तुझ पर आ पड़ूंगा।

"तू अपने धर्मी ठहराये जाने को थामे रख। उस पर कायम रहा। तू उन लोगों को उसे अपने से जबरन दूर न करने दे। यह भी स्मरण कर कि तू ने उसे कैसे प्राप्त किया, और कैसे सुना।"

उन्होंने ठीक उसी बाइबिल को पढ़ा था जिस बाइबिल को हम पढ़ते है। समझे? परन्तु उन्होंने इसे सारा का सारा ग्रहण नहीं किया था, क्योंकि इसे उन पर प्रकट नहीं किया गया था। यह उनके युग के लिए नहीं था। यही कारण है कि वे पुनरूत्थान में बाहर निकल कर आयेंगे। वे उस उजियाले में चले थे जो उनके पास चलने के लिए उजियाला था, अतः वे जी उठेंगे।

68 अब, मैं अनेकों पिन्तेकोस्तल लोगों को जो बपतिस्मे पर प्रचार करते हैं, यह कहते हुए सुन चुका हूँ, "वे लूथरन तथा ऐसे ही और दूसरे लोग पुनरूत्थान में जी न उठेंगे।" ओह, हाँ ! मैं डॉक्टर ऐगरी जो कि वहाँ ऊपर हैं, के विषय में एक छोटी सी गाथा जानता हूँ, जब मैंने उन्हें बताया था.....

उन्होंने कहा था, "हम क्या हैं?"

मैंने कहा..आप जानते हैं, कि उन्होंने वहाँ माइनेआपोलिस, बैथेनी में एक बहुत बड़ी सैमनेरी चलायी हुई है।

और उन्होंने कहा था, "अच्छा, हम लूथरनों के पास क्या है?

मैंने कहा, "अच्छा, मैं आपको बताता हूँ। मेरा मानना है, कि आपको मसीह मिला है।"

और उन्होंने कहा, "अच्छा, हम चाहते हैं—हम पवित्र आत्मा पाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, क्या आप सोचते हैं, कि हमें वह मिला है?"

मैंने कहा, "सम्भावित तौर पर !" और मैंने कहा, "आप उस पर विश्वास कर रहे है।"

उसने कहा, "अच्छा,आपका इससे क्या अभिप्राय है?"

69 अब, उनके पास हजारों एकड़ भूमि है जहाँ शिक्षार्थी....यदि वे उसके द्वारा अपनी जीविका अर्जित नहीं कर सकते हैं, तो वे उन्हें अपनी जीविका के लिए उस पर काम करने और मक्का उगाने देते हैं।

मैंने कहा, अच्छा,....." वहाँ पर बस-बस बहुत बड़ी मेज होती हैं। और उन्होंने मुझे इन बड़ी बड़ी मेजों में से एक पर उस बड़ी सैमनेरी में रात्रि भोज दिया, और वहाँ पर बहुत भले लोग थे। डॉक्टर ऐगरी यहाँ पर बैठे हुए थे और भाई जैक मूरे यहाँ पर बैठे हुए थे, क्योंकि मैं उनके पास बिलकुल ठीक वहाँ पर बैठा हुआ था कि यदि वे बड़ी बड़ी बातों को बोलते तो मैं समझ नहीं सकता था। और मैं जैक को अपनी टांग से होले से मारता, और यह देखता, कि उन्होंने क्या कहा था। समझे आप?अतः इसके बाद, मैंने कहा.....

वह मेरे बिलकुल बराबर में बैठे थे, और उन्होंने कहा था, "अच्छा, हम जो यहाँ पर करना चाहते है, यह है, कि हम यहाँ पर कुछ ज्ञात कर लें।" बोले, हम परमेश्वर के लिए भूखे हैं। हमने पिन्तेकोस्तलों पर, वरदानों पर एक पुस्तक पढ़ी थी। और हम लोगों में से एक दल वायुयान से कैलीफोर्निया गया; और हमने उस व्यक्ति से भेंट की जिसने वह पुस्तक लिखी थी।" (मैं उसे जानता हूँ।)

उन्होंने कहा, "हम वरदानों में से किसी वरदान को काम करते हुए देखना चाहते हैं।'

वह बोला, "मेरे पास उनमें से कोई नहीं है, मैंने तो बस उनके बारे में ही लिखा है।" उन्होंने कहा.

उन्होंने कहा, "इसके बाद जब हम यहाँ पर वापस आये, तो हमने इसे देखा, हम भूखे हैं। हम परमेश्वर को पाना चाहते हैं।"

70 आप जानते हैं, कि जो उसके अपने निज खेत के मैदान हैं उसी पर आधारित करके मैंने यह कहा, "अच्छा, एक बार एक पुरूष बाहर निकलकर गया। एक पुरूष बाहर निकलकर गया, और उसने एक बहुत बड़े खेत में जुताई-बुवाई की। और उसने उसमें से जड़े तथा अन्य सब कुछ बाहर निकाला, और उसने उसमें मक्का बोयी।

और प्रत्येक सुबह वह द्वार पर जाता, और बाहर दृष्टि डालकर देखता, कि उसके पास मक्का का कोई पौधा हो गया है कि नहीं। और पहली बात आप यह जानते हैं, कि एक सुबह उस पर दो छोटी छोटी कोपलें उगरही थीं। (क्या यहाँ पर कोई ऐसा है जो मक्का की खेती करता है...जॉर्ज राइट,रॉय स्लोटर, तथा वे लोग कहाँ पर हैं?) .....आप जानते हैं, कि उस पर दो छोटी छोटी कोपलें लगी हुई होती हैं जो बढ़ रही होती हैं। और वह बोला, "ओह,मेरे इस मक्का के खेत के लिए परमेश्वर की महिमा हो!' इस पर मैंने उनसे पूछा, क्या उसके पास मक्का का खेत था?"

उन्होंने कहा, "ठीक है, एक प्रकार से तो था।"

मैंने कहा, "जी हाँ, सम्भावित तौर पर तो उसके पास था।"

मैंने कहा, "ठीक यही तुम लूथरनों के पास प्रथम सुधार के समय में था, तुम में वह छोटी सी कोपल लगकर बढ़ रही थी।" समझे? मैंने कहा, " अच्छा, जैसे जैसे वह मक्का बढ़ती चली जाती है। मैंने उसे उनके झड़ने के विषय में नहीं बताया, (समझे आप?) मैंने तो उसे बस यही जानने दिया, कि वह मक्का बढ़ती चली गयी।

71 अतः मैंने कहा, "जब मक्का का पौधा उगा, तो थोड़े समय बाद उस पर एक हुँदनी लगी। और हुँदनी ने पत्ते पर नीचे दृष्टि डाली और कहा, "आह-हा, तेरे पास तो कुछ भी नहीं है, तुम तो पुराने गुनगुने लूथरन हों।' समझे? बोला, "मैं हूँ.....मैं तो फसल की पैदावार करने वाला हूँ। हमारा तो बहुत शानदार मिशनरी समय है।

इस प्रकार से हवा चली और वह पूँदनी इस प्रकार से गिर कर झड़ गयी, और यह वैसली का काल था, पवित्रीकरण का काल था।" समझे? यह वह । सबसे महान मिशनरी काल था जो हमारे पास कभी हुआ था, वैसली के समय में वैसली की कलीसिया ने यहाँ तक कि इस काल को भी पिछाड़ दिया था। वैसली वाला कलीसियायी काल एक मिशनरी काल था, और इसने फैलाने का काम किया था। इसने क्या किया था? इसने इसे फैलाया।

देखिए, यहाँ तक कि वहाँ पर प्रकृति भी इन तीन प्रक्रियाओं की गवाही देती है। स्वयं प्रकृति भी इसकी गवाही देती है, परमेश्वर ने उसे आरम्भ में इस प्रकार का ही बनाया था,अतः वह तो इसी प्रकार की ही होगी। इसके लिए तो आपको इस बात की जरूरत भी नहीं होती है, कि आपके पास एक बाइबिल भी हो; आप प्रकृति पर दृष्टि डाल सकते हैं, और आप देख सकते हैं, कि आप कहाँ पर हैं। समझे?

72 और इसके बाद.....और उसके थोड़ी देर बाद जब वह वहाँ पर गिर जाता है, तो फिर क्या निकल कर आता है? उसमें से मक्का की

एक बाल निकल कर आती है। उस पर दाने लगे हुए थे; और यही पिन्तेकोस्तल समूह था। अब देखिए, वह पिन्तेकोस्तल समूह ठीक उस प्रकार का ही था जैसा कि वह यहाँ पर है। इससे यहाँ पर उससे अर्थात् लूथर से दो कोपलें लगी थीं; और वैसली वाले काल में यहाँ इस पर एक पूँदनी लगी थी; और यहाँ नीचे उसके पास अनाज का दाना था..(क्या?)..वह बिलकुल ठीक वैसा ही था जैसा वह यहाँ पीछे था, वह बिलकुल ठीक वैसा ही था।

ठीक है, अब, यहाँ पर यह क्या था? उसने कहा, "ठीक है, अब...पिन्तेकोस्तल ने कहा, मुझे तुम मैथोडिस्टों से या तुम लूथरनों से क्या काम।" परन्तु कुछ भी हो, ठीक वह जीवन जो उन दो छोटी छोटी कोपलों में था, उसने ही हूँदनी के बनाने में मदद की थी। और वह जीवन जो पूँदनी में था उसने ही इस मक्का के दाने को बनाया था। अतः आप देखते हैं, कि यह सब परमेश्वर की ही योजना थी। उनके पास सम्भावित तौर पर पवित्र आत्मा था। ठीक इसी प्रकार ही पवित्रीकरण के दौरान वैसली के समय में यह उनके पास था; परन्तु यह आज वापस अन्यान्य भाषाओं में बोला जाना, और वरदानों की पुनः बहाली वापस वैसे ही लेकर आया है, जैसाकि ये आरम्भ में थे, ये वैसे ही असली-सच्चे थे जैसे कि ये आरम्भ में थे; यह ठीक वही पवित्र आत्मा ही था। समझे आप? जी हाँ! आमीन!

73 यह बिलकुल ठीक है, कि उसने कहा था,

"उन बातों को दृढ़ता से थामे रख जिन्हें तू ने सुना है, कहीं ऐसा न हो, कि वे मिट जायें।" अब देखिए, यह चौथा पद है; मेरा मानना है कि ये यही है।

पर हाँ, सरदीस में तेरे यहाँ कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किये, वे श्वेत वस्त्र पहने हुए मेरे साथ घूमेंगे, क्योंकि वे इस योग्य हैं।

अब, इससे किसी नामधारी कलीसिया का गठन मत करना। हम ऐसा करना नहीं चाहते है। नहीं, मैंने... मैंने गलत वाक्यांश पढ़ लिया है; क्या मैंने नही पढ़ा है, क्या मैंने नहीं पढ़ा है? जी हाँ, जी हाँ, यह बिलकुल ठीक है। जी हाँ, यह बिलकुल ठीक है। जी हाँ उसने कहा था, सरदीस में कुछ ऐसे हैं जिन्होंने अपने अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किये हैं। वहाँ पर अभी भी कुछ ऐसे थे जिन्होंने उस चीज के आगे अपने को नमस्तक नहीं किया था,और स्वयं अपने को शुद्ध और साफ रखा था, और वे पिन्तेकुस्त वाली राह पर ही चल रहे थे, और पवित्रात्मा से भरे हुए थे।

तब लूथर के काल में ही बहुतेरे लोग संस्थागत होने लगे थे। उन्होंने क्या किया था? उन्होंने ठीक वैसा ही करना शुरू कर दिया था जैसा कि बाइबिल ने कहा था कि वे करेंगे, वे अपनी माँ के जैसे ही आचरण-व्यवहार कर रहे थे, वे वापस लौट आये थे, और उन्होंने अपनी अपनी नामधारी कमलीसियाऐं आरम्भ कर दी थीं। परन्तु उनमें से कुछ ऐसे थे जो बाहर ही खड़े रहे थे, कि वे ऐसा नहीं करेंगे; वे परमेश्वर के लिए बाहर ही खड़े रहे थे। और उसने उनके लिए ही कहा था...उसने कहा था, "अच्छा, यह बिलकुल ठीक बात है, कि तेरे यहाँ कुछ ऐसे लोग हैं जो मेरे साथ श्वेत वस्त्र पहने हुए घूमने के योग्य हैं।" नामधारी कलीसिया का गठन मत करो। अब आप नीकुलाइयों की शिक्षाओं को ग्रहण न करें। आप फिर से अपनी नामधारी कलीसिया आरम्भ न करें, परन्तु बस परमेश्वर में ही स्वतन्त्र रहें। आप पवित्र आत्मा को ही अपनी अगुवाई करने दें जबकि आप आगे बढ़ते चले जाते हैं। वहाँ उनमें से कुछ ऐसे ही बाकी बचे रहे थे।

74 अब आइये पाँचवाँ पद लें, मेरा यकीन है,कि ये यही है। वह जिसके कान हो, वह..... | आइये

अब हम इसे देखें: जो जय पाये, उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहनाया जाएगा, और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटुंगा, पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्गदूतों के साम्हने मान लूंगा।

अब देखिए, ऐसे बहुत थोड़े से ही नाम थे.....थोड़े, मात्र बहुत थोड़े ही ऐसे थे जिन पर नहीं किया गया था.....जिन पर रोमन कैथोलिक शिक्षा के द्वारा अधिकार नहीं किया गया था। यह बिलकुल सच है।

75 अब, हम सुधार के ऊपर बातचीत करने पर आते हैं, मैं चाहूँगा.....मैंने लूथर की पृष्ठभूमि को छोड़ दिया था जिससे कि मैं यहाँ पर आ पहुँचें। अब देखिए, वह इससे अगले पद में यह कहता है: जिसके कान हों, वह सुन लें, कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है। परमेश्वर उन्हें यहाँ पर चेतावनी देने का यत्न कर रहा है, कि वे इस नीकुलाईवाद से दूर रहें, वहाँ से दूर रहें, अपने वस्त्रों को दुनिया के किसी भी बदनुमा दाग से साफ रखें, और बस उस में ही स्वतन्त्र रहें, और वही उनका मार्ग दर्शन और अगुवाई करेगा। अब, यही पहला आरम्भ था

76 अब देखिए, सुधारकार्य से मेरा अभिप्राय बचकर बाहर निकल आये हुओं से है, उनसे अभिप्राय है जो सरदीस की कलीसिया में बचकर बाहर निकल आये थे, या.....क्या आप समझ गये हैं, कि मेरा क्या तात्पर्य है? ये वे हैं जो अभी भी उस भंयकर चीज से बचकर बाहर निकल आये हैं ....अब, अब, हम इसे फिर से कल रात्रि को लेंगे, और इसे यहाँ पर पिन्तेकोस्तल काल तक लेकर आकर देखेंगे, और आपको दिखायेंगे, कि यह बिलकुल ठीक ऐसा ही है।

अब इनमें से कुछ ऐसी बातें हैं जिनके विषय में हमने यहाँ पर बातचीत की हैं, कि वे इससे किस प्रकार से बचकर बाहर निकल आये थे। अब, हम इसका अध्ययन अगले कलीसियायी काल में करेंगे । देखिए, हमें तो इसे एक साथ समायोजित करने के लिए लेना ही होता है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप—आप—आप-आप लोगों को गलत रीति से इसे बतला रहे हैं, क्योंकि लोग तो इसे अगले काल में भी थामे हुए होते हैं। समझे आप? आप को तो चाहिए, कि वे इसे वैसा ही समझे जैसा कि बाइबिल इसे यहाँ पर देती है। समझे? यह बिलकुल ठीक बात है।

77 अब, ये बचकर बाहर निकलकर आये हुए लोग ही है जिनके विषय में वह कह रहा है। ये यहाँ पर वे लोग हैं, ये उन थोड़े से लोगों का एक बहुत ही छोटा सा झुंड़ है जो धर्मी ठहरने के द्वारा जीवन व्यतीत कर रहे थे। अब देखिए! वे बाहर निकल कर आये; उन्होंने उजियाला देखा, लूथर ने सही फेरा.....और लूथर ने नहीं; वरन लूथर की मृत्यु के पश्चात.

लूथर ने कभी कोई संस्था गठित नहीं की थी, परन्तु यह तो वह झंड़ ही था जिसने उसके पीछे संस्था का गठन किया। वैसली ने कभी कोई संस्था गठित नहीं की थी, वरन वह झुड़ जो उसके पीछे रह गया था उसने ही उसके बाद संस्था का गठन किया था। पिन्तेकोस्तल के उन प्राचीन संस्थापको ने कभी कोई संस्था गठित नहीं की थी, वरन वह झुंड जो उनके पीछे रह गया था उसने उनके बाद संस्था का गठन किया था। वही एक ऐसे होते हैं, जो ऐसा करते हैं। ये तो उससे अगली पीढ़ी के ही लोग होते हैं जो ऐसा करते हैं। उजियाले का सच्चा दूत कभी भी कोई संस्था नहीं बनायेगा। आप इस बात को जान जायेंगे, जब पवित्र आत्मा इसे हम पर प्रकट करता है, तो आप जान जायेंगे, कि इस पिन्तेकोस्तल काल के अंत पर-उस संस्था के भी अंत पर क्या आता है। समझे? को अचमा सकते हैं। यह तो बस बचा रहा हैं।

78 अब, उसने कहा था, "तेरे पास बस बहुत थोड़ा सा ही जीवन बाकी बचा रहा है, बस बहुत थोड़ सा ही जीवन बचा रहा है। यह मर

मिटने को है, यह क्षीण होता चला जा रहा है, यह तो बस धर्मी ठहराया जाना ही है। वे तुझे जिधर चाहे उधर घुमा सकते हैं। तेरे पास अब कोई जीवन नहीं है, क्योंकि तूने एक गलत नाम को अपना लिया है। पर तू— तू ज़ोर लगाकर कम से कम बाहर तो निकलकर आया है। देखा, तू है... तू रोमन कैथोलिक कलीसिया से बचकर बाहर निकल आया है। तू उस सारे धार्मिक मत-सिद्धांत से बचकर बाहर निकल आया है, और कम से कम तू इतना दूर तो निकल आया है। अब आप ठीक वही बाइबिल पढ़ रहे हैं। अब, परन्तु ठीक वही बाइबिल इस बात की शिक्षा देती है, कि पवित्र आत्मा.....उसने उन्हें कभी भी उस बात के लिए दोषी नहीं ठहराया था जो उनके पास था। उसने तो कहा था, "जब तक मैं नहीं आ जाता हूँ, उस पर ही दृढ़ बना रह। देख, उसे थामे रख।" ।

79 अब, इस कलीसियायी काल का आरम्भ लगभग सन् 1520 में तब हुआ था जब रोमन विश्वव्यापी कैथोलिक कलीसिया अपने पूरे प्रभाव में थी। यह अक्टूबर 31 तक—-सन् 1570 के 31 अक्टूबर तक विद्यमान रहा था। (यदि आप सब इसे उतार रहे हैं, तो आप उतार लें) यह 31 अक्टूबर सन् 1570 ईसवीं तक विद्यमान रहा था। जब मार्टिन लूथर ने विटनबर्ग, जर्मनी के गिरजे के द्वार पर अपने 95 शोधसिद्धांतों को कील से ठोंक कर गाड़ दिया था, और तब से ही सुधार-कार्य का समय आरम्भ हो गया था। क्या आप को वे तीथियाँ मिल गयी हैं? आइये मैं उन्हें आपको फिर से बता देता हूँ जिससे आप सुनिश्चित हो जायें। यह अक्टूबर 31, सन् 1570 था जब मार्टिन लूथर ने अपने 95 तथ्य को विटनबर्ग, वि-ट-न-ब-र्ग (W-i-t-t-e-n-b-u-r-g) विटनबर्ग, जर्मनी के गिरजे के फाटक के ऊपर कील से ठोंक कर गाड़ दिये थे। उस तारीख से ही सुधार-कार्य आरम्भ हो गया था, अग्नि फैलने लगी थी।

उसने उस कैथेलिक कलीसिया का जो वहाँ पर विधमान थी विरोध किया था, उसने स्याही कलम से इस प्रकार गढ़ कर लिखा था, "क्या यह मसीह की पवित्र देह है? यह तो एक वेफर और थोड़ी सी दाखरस ही है।" और उसने उसे फर्श पर फेंक दिया था। यह सच बात है।

80 उसने कैथोलिक कलीसिया का विरोध किया था; और तब से थोड़े से लोग ज़ोर लगाकर बाहर निकलने लगे थे। यह बिलकुल ठीक बात है; देखिएगा, यह सिलसिला चलता रहा था।

परन्तु यह एक असली सच्ची कलीसिया के लिए, असली मसीही मापदंड़ों के लिए लड़ाई होने के बजाये राजनैतिक ताकत के लिए अधिक लड़ाई थी। वे केवल राजनैतिक अधिकारों के लिए लड़े, कि एक कलीसिया से बाहर निकल आयें, तथा एक और कलीसिया बना डालें। उन्होंने कभी भी इस बात के लिए सुधार-कार्य नहीं किया था, कि वे कैथोलिक कलीसिया से इसलिए बाहर निकल कर आ रहे हों, कि कलीसिया में फिर से पवित्र आत्मा और उसकी सामर्थ को वापस लेकर आयें; क्योंकि उन्होंने तो इसका इन्कार ही कर दिया था। समझे? यह तो बस एक राजनैतिक रैली ही थी। यही उनका.....यह तथ्य निश्चय ही उनके लिए उपयुक्त ठहरता है, कि "तेरा एक नाम है, कि तू जीवता है-तू नाम का तू जीवता कहलाता है, पर तू है मरा हुआ।"

दूसरे शब्दों में यह है, कि वह बस प्रोटिस्टेन्ट नामधारी कलीसिया को बाहर निकालकर लाया था, यही सारी की सारी बात है; वह तथाकथित कलीसिया में से एक पुत्री बाहर निकालकर लाया था, वह....बाहर लाया.... वह एक बड़ी वेश्या में से एक वेश्या को बाहर निकाल कर लाया था। बिलकुल ठीक यही हुआ था। वह इजाबेल में से अथालिया को बाहर निकाल कर लाया था।

81 अब, कोई भी वह व्यक्ति जिसने सुधार कार्य के विषय में पढ़ा है वह जानता है, कि ऐसा ही हुआ था; क्योंकि यह बात तो बहुत ही सरल है...उसने—-उसने तो सिर्फ उन कुछ पुराने धार्मिक स्मृतिचिन्हों को, तथा प्रबन्ध-तन्त्रों को-और अनुष्ठानों को तहस नहस कर दिया था; परन्तु जहाँ तक कलीसिया में पवित्र आत्मा लाने की बात है- यह वैसी ही रही जैसे कि यह पिछले समय में रही थी—उसने इस कार्य को नहीं किया था। जी नहीं, श्रीमान!

यह एक आत्मिक लड़ाई के बजाये एक राजनैतिक लड़ाई अधिक थी। यह पवित्र आत्मा होने के बजाये राजनैतिक अधिक थी। उसने...पवित्र आत्मा ने अभी कलीसिया में प्रवेश नहीं किया था। ओह, भाई वह वापस नहीं आया था; वह यहाँ पर वापस आता है, वहाँ नहीं।

82 अब देखिए, यह एक विशाल राजनैतिक रैली थी, परन्तु पवित्र वचनों और- और पवित्र आत्मा के लिए नहीं थी।

यह एक राजनैतिक रैली थी, ताकि वे क्रूस से सम्बन्धित पुरानी स्मृति पूर्ण अर्चना-उपासना से और प्रणाम मरिया के जाप से तथा इसी प्रकार की सारी बातों से अपना पिंड़ छुड़ा लें। परन्तु वह फिर भी अभी भी कैटेकिजम को लिये हुए ही बाहर निकल कर आया। वह अभी भी इसे बाहर निकाल कर लेकर आया....आप इसे क्या कहते हैं? आप इसे समर्पण सभाएँ (Consecration Services) या यह जो कुछ भी था जो वहाँ पर ईस्टर की सुबह होता था; और आप जानते हैं, कि पादरी उन्हें "बड़ा दिन मुबारक हो", की मुबारक बाद देता था। आप जानते हैं, वह कहता था, "जब तक बड़े दिन का समय न आ जाये उन्हें बिलकुल भी न देखना।" यह एक होती थी.....ओह, यह सदस्यता का पक्का किया जाना, या दृढ़ीकरण वाली सभा होती थी, जिसके विषय में मैं आपको बताने का यत्न कर रहा हूँ। वे उन्हें लेकर जाते हैं, उनकी सदस्यता पक्की करते हैं, उन्हें पहली बार प्रभु भोज देते हैं, और उनकी सदस्यता पक्की, अर्थात् दृढ़ करते हैं।

सदस्यता का पक्का किया जाना दृढ़ीकरण किया जाना, जैसी कोई बात है ही नहीं। बाइबिल में .....बाइबिल में एक ही जगह पर पुष्टि करने या दृढ़ करने की बात तब की गयी थी जब परमेश्वर अपने वचन की उन चिन्हों और आश्चर्यकर्मों के द्वारा पुष्टि करता है जो वचन के साथ साथ होते हैं।यही दृढ़ीकरण है; लूथरन कलीसिया की सदस्ता को पक्का करना दृढ़ीकरण नहीं है। यह तो परमेश्वर ही होता है जो अपना वचन आप में दृढ़ कर रहा होता है। मरकुस 16 बताता है, प्रभु उन चिन्हों और आश्चर्यकर्मों के द्वारा जो साथ साथ होते थे वचन को दृढ़ करता रहा। यही पिन्तेकुस्त वाली कलीसिया का दृढ़ीकरण किया जाना था; यह पक्का किया जाना था.....परमेश्वर आश्चर्यकर्मों के द्वारा स्वयं अपनी जीवते परमेश्वर के रूप में, कलीसिया में कार्य करनेवाले परमेश्वर के रूप में पुष्टि कर रहा था; और कलीसिया में लोग वैसे ही अन्यान्य भाषाएँ बोल रहे थे, और अन्यान्य भाषाओं का अनुवाद कर रहे थे और ठीक उन्हीं कामों को कर रहे थे जो उन लोगों ने आरम्भ में किये थे।

83 क्या मैं आपको थकित कर रहा हूँ? (सभा उत्तर देती है, "जी नहीं!" सम्पा.)बिलकुल ठीक है! अब देखिए, वे पवित्र आत्मा वाली बेदारी वापस लेकर नहीं आये थे, वे तो एक नया कलीसियायी काल ही वापस लेकर आये थे। वे तो उन्हें ही लेकर आये थे जो जोर लगाकर बाहर निकल आये थे; जो प्रोटिस्टेन्ट पादरी वर्ग का निर्माण करने के लिए रोमन कैथोलिक पादरी तन्त्र से बचकर बाहर निकल आये थे। केवल यही एक काम उन्होंने किया था; वे तो एक विशाल धधकते तवे से कूद कर आग में जा गिरे थे। समझे? यह...यह बिलकुल ठीक बात है! यह बिलकुल सच है। इजाबेल तो बस एक पुत्री को जन्म देती है।

और अब आप यह न सोचें, कि मैं यह अपने को तेज तर्रार दिखाने के लिए कह रहा हूँ। मैं तो इसे इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि बाइबिल में ऐसा ही कहा गया है। बाइबिल प्रकाशितवाक्य 17 में कहती है, कि वह वेश्याओं की माता थी। यीशु ने यहाँ पर कहा था, "जैसी इजाबेल थी, वैसी ही यह होगी।" और उसने अपनी उन पुत्रियों को जन्म दिया जिन्होंने उन देशों को दूषित कर डाला जो दूषित नहीं थे।

बिलकुल ठीक ऐसा ही प्रोटिस्टेन्टवाद ने परमेश्वर की सच्ची आत्मा के साथ किया था; उसने उस चीज को दूषित कर डाला था, और उसे फिर से एक संस्था के अन्दर संगठित कर डाला था। यदि परमेश्वर ने चाहा तो रविवार की सुबह मैं आपको यह—यह दिखाना चाहता हूँ, कि उन्होंने उस पशु की एक मूरत बनायी, और वह पशु रोम था। और उन्होंने उसी के जैसी एक मूरत बनायी थी। वह क्या थी? एक संस्था! ओह, लोगों मैं आशा करता हूँ, कि यह बात आपके हृदयों के अन्दर आत्मसाध हो गयी है।

84 अब, आपको आश्चर्य होता है, कि क्यों मैं अपने सारे जीवन भर संस्था के विरूद्ध इतनी जोर से लड़ता रहा हूँ । मैं खुद भी यह नहीं जानता था। परन्तु मेरे भीतर यह कोई चीज थी जो पुकार रही थी, मैं इसे रोक न सकता था.

मुझे हैरानी होती थी. मुझे हमेशा ही हैरानी होती थी, कि क्यों ऐसा होता था.....मैं क्यों स्त्रियों पर हमेशा ही ऐसे चीखता-चिल्लाता रहा हूँ? देखिए, मैं अपने सारे जीवन भर....नहीं; मेरा यहाँ पर असली शिष्ट महिलाओं से अभिप्राय नहीं है। मेरा अभिप्राय तो उन्हीं से होता है, जिन्हें असली नारी तो होना चाहिए, लेकिन आप जानते हैं, कि उनमें नैतिक तत्व तथा ऐसी ही बातें छिन्न-भिन्न हो चुकी हैं। आप जानते हैं, उसी तरह की मैं....मेरे अंदर ऐसी कोई बात है ..... जब मैं एक छोटा सा युवा लड़का था, जो वहाँ पर रहता था, और उन स्त्रियों को वहाँ सड़क पर आता हुआ देखता था। और वे जानती थीं, कि उनके पति बाहर काम पर गये हुए हैं; और वे वहाँ पर किसी लड़के के साथ शराब में धुत होती थीं, वे सड़क के एक छोर पर पड़ी होती थीं; और वे ऊपर उठतीं, और सड़क पर चलकर जातीं और इतनी भी सौम्य हालत में न होतीं, कि जाकर अपने पति के लिए भोजन बनायें।

मैंने यहाँ कहा था, कि वे इसके भी योग्य नहीं है, कि एक साफ सुथरी गोली उनमें से होकर आर पार निकल जाये। यह सही बात है। मैंने कहा था, कि वे तो उन जानवरों से भी गिरी हुई हैं जो ऐसा करेगा।

और मैं...जब मैं सत्तराह, अठारह वर्षीय था, तो मैंने एक...एक लड़की को सड़क पर आते हुए देखा, और मैं सड़क पार करके दूसरी ओर चला गया था; और मैंने कहा था, कि वह तो दुगन्ध देती ज़हरीली नागिन है...समझे? और मैं उन से असली घृणा करनेवाला रहा हूँ। परन्तु जब मैंने परमेश्वर को अपने हृदय में ग्रहण कर लिया था, तो परमेश्वर ने मुझ पर यह विदित किया, कि उसके पास बहुमूल्य मोती सरीखी कुछ स्त्री हैं; उसके पास कुछ असली शिष्ट महिलाएं हैं। वे अपने आपको उस प्रकार से बिलकुल भी परगंदा नहीं करेंगी। परमेश्वर का उनके लिए धन्यवाद हो।

85 जब मैं अफ्रिका में था; जब मैं स्विट्जरलैंड में था; और जब मैं रोम में था; तो मुझ से इस पर यह प्रश्न पूछा गया था; "कहिए, भाई ब्रन्हम, क्या आपके अमेरिका में कोई शिष्ट महिला बिलकुल भी नहीं है? हर कोई वह गीत जो वहाँ से यहाँ पर आता है, यही बताता है, कि आपकी स्त्रियों के विषय में कोई गंदी-भद्दी बात

है।"

मैंने कहा, "वे अमेरिकन हैं। परन्तु हमारे पास वहाँ पर एक और राज्य अस्तित्व में है; वह परमेश्वर का राज्य है; और वहाँ पर स्त्रियाँ पूरी तौर से शिष्ट हैं। वे हैं.....

86 बाइबिल ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था.....मेरा यकीन है कि यह यशायाह का पाँचवां अध्याय है (मैं सुनिश्चित नहीं हैं, कि यह 5वाँ या 6वाँ अध्याय है, जिसमें वह कह रहा है, "धन्य है, सिय्योन की वह पुत्री जो उस दिन में उन सब बातों से बच निकल जायेगी।" बताया गया है, कि वह किस प्रकार से सड़क पर चलेगी, वह स्टॉकिंग को नीचे किये हुए पहने हुए होगी, और वह उस प्रकार से बलखाते हुए चलती हुई इतरायेगी, और वह उस प्रकार के कामों को करेगीजैसो कि वे इस समय बिलकुल ठीक उसी प्रकार के कार्य कलाप कर रही है। वे पुरूषों के पहरावे पहन रही हैं जो कि परमेश्वर की दृष्टि में घृणित कार्य है...

87 मैंने कुछ समय पहले एक धार्मिक सोसायटी को देखा था, जिसके लोग अपना उस प्रकार का कोई प्रदर्शन करने जा रहे थे जो कि उनका हर रात को होता था और ये सारी औरतें वहाँ पर नीकरबाकेरस पहने हुए चली जा रही थीं..या ये क्या..क्या चीजें हैं जिन्हें वे क्या कहते हैं? वे छोटी छोटी नीकरें तो नहीं होती हैं, वह तो किसी प्रकार का कोई दूसरा ही निर्लज्ज पहरावा ही होता है। जी हाँ! वे तो ऐसे हैं, जिन्हें पैडल से धक्का लगाकर आगे बढ़ाया जाता हो; या वे उस प्रकार के लोग हैं जो वहाँ पर पाये जाते हैं....ओह; यह बिलकुल ठीक बात है, कि उन्हें पैडल से दिये जाने वाले धक्के की आवश्यकता है-और वह पैडल इस प्रकार से चौड़ा होता है। यह सच है। उसका सिरा होता है...यह पैदल चलनेवालों के पांव पर लगा होता है; और उन्हें बिलकुल ठीक इसी चीज की ही आवश्यकता है। यह बिलकुल ठीक बात है। परन्तु ओह, आप कहते हैं, "अच्छा, अब, मैं सोचता हूँ कि एक स्त्री के लिए उसे पहनना एक स्कर्ट पहनने से अधिक शिष्ट बात है।"

परमेश्वर ने कहा था, "स्त्री ..के पहरावे पहने यह उसकी दृष्टि में एक घृणित कार्य है..." और जब कोई स्त्री अपने बाल पुरूषों के जैसे कटाती है,...परमेश्वर यह चाहता है, कि स्त्री स्त्री के जैसे ही लगे, वह स्त्री के जैसे ही कपड़े पहने, वह एक स्त्री के जैसे ही आचार-व्यवहार करे।।

88 और वह यह नहीं चाहता है, कि पुरूष कि बड़ी बड़ी गलमुच्छे हों और उसके बाल पीछे को झूलते हुए हों, और उसके बाल ऐसे हो मानो कि उसके सिर के पिछले भाग पर बत्तख रखी हुई हों। वह तो यह चाहता है, कि पुरूष एक पुरूष के जैसे ही लगे। जी हाँ, श्रीमान! वे स्त्री के जैसे ही इतने अधिक कपड़े पहनते हैं, कि यह मुश्किल से कहा जा सकता है, कि वे स्त्री है या पुरूष।

यह है — यह दयनीय बात है, कि आज हमारे पास ये बीटनीक्स (Beatniks) तथा इसी प्रकार के छोटे छोटे कपड़े हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि हम अंत समय में रह रहे है; संसार में और कुछ नहीं, वरन इस पर परमेश्वर की जलजलाहट आना और इसे भस्म किया जाना बाकी रह गया है। यही सब ही बाकी रह गया है। एक धर्मी और न्यायी परमेश्वर इसके अतिरिक्त और कुछ नहीं कर सकता है।

वे यीशु मसीह के लोहू को अपने पांव तले रौंदते हैं। उन्होंने स्वयं अपने आपको मतःसिद्धांतों में संस्थागत कर लिया है। वे एक संस्था के अन्दर जा मिले। हैं। और कोई पुराना—कोई पुराना होली फादर— कोई पुराना बेचलर अपना कॉलर मोड़े हुए आता और उनसे कहता है, "मेरे आशीष पाये हुए बच्चों!" इसका उससे अधिक कुछ मतलब नहीं है, कि एक सुअरी ऐसा कह रही हो।

मैं आपको बता रहा हूँ, कि हमें आज इस बात की आवश्यकता है, कि हम बाइबिल की ओर तथा पवित्र आत्मा की ओर वापस लौट जायें, और मुरदों में से जी उठे मसीह की सामर्थ कलीसिया के अन्दर आक र चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के रूप में कार्य कर रही हो। आमीन! जी हाँ, यही तो सुसमाचार है।

89 इसे ही उत्पन्न किया था,.....अतः ...जी हाँ, यह सच है, कि इसने ऐसा ही किया था। बेदारी ने..उस बेदारी ने वहाँ पर कुछ बहुत ही शानदार कार्य किये थे। परन्तु इसने पवित्र आत्मा का खुल्लमखुल्ला प्रकटीकरण नहीं किया था। उन्होंने इसका खुल्लमखुल्ला तब तक

प्रकटीकरण नहीं किया जब तक कि इसका प्रकटीकरण लौदीकियायी काल में, पिन्तेकोस्तल काल में नही किया जाता है। परन्तु इसने एक काम किया था। इस बेदारी ने उन कुछ कामों को किया था जिसके लिए उसने यह कहा था, "अब इसे मर मिटने मत देना, इसको दृढ़ कर, इसमें बढ़ोत्तरी करता चला जा।" समझे?

यह लोगों के पास फिर से मुक्त बाइबिल को लेकर आयी। लूथरन काल एक मुक्त बाइबिल लेकर आया। उन्होंने एक अपना छापाखाना बनाया और संसार को बाइबिल देने लगे। परमेश्वर लूथरनों को इस बात के लिए आशीष दे। जी हाँ, श्रीमान! उन्होंने ही जन साधारण के हाथों में फिर से बाइबिल थमायी; जो कि केवल पादरी के लिए ही होती थी। वे तो कभी उस पर दृष्टि भी नहीं डाल सकते थे, क्योंकि उनके लिए तो वही बात होती थी जो पोप कहता था, और वह ऐसा था कि मानो वह परमेश्वर हो। अतः वह जो कुछ भी कहता था वही बात काम करती थी।

90 और अब लूथरन बेदारी देखिए, उन्हें इस बात की आवश्यकता थी, कि वे दृढ़ करें...

अब, आपके हाथों में बाइबिल है, अब आप इसे पढ़ें । आप इस पर विश्वास करें। आप इसे ताख पर न रखें और यह न कहें, "अच्छा, हमारे पास एक बाइबिल है।" वहाँ ऊपर रखे हुए वह आपके लिए कुछ भी भला न करेगी। आज पिन्तेकोस्तलों में ऐसे बहुतेरे लूथरन हैं जिन्होंने चारों ओर बाइबिलें रखी हुई हैं, और वे उसे ग्रहण कर रहे हैं जो अन्य कोई दूसरा इसके विषय में कहता है। भाई, आप वचन पढ़े, यीशु ने कहा था, "तुम पवित्र शास्त्र में क्या ढूंढते हो, ये तो मेरी ही गवाही देते हैं। तुम सोचते हो कि तुम्हें उनमें अनन्त जीवन मिलता है।" यही एक काम है जो करना है: आप वचन पढ़ें।

अब, उसने कहा था, "उसे थामे रख, उसे खिसक कर जाने मत... जाने मत दे।"

91 और एक और बात थी जो वह चाहता था कि वे थामे रखे रहें, वह यह थी, उनमें बहुत थोड़ी सी ही सामर्थ बची रह गयी थी....लूथरन बेदारी ने जो दूसरा काम किया था, वह यह था कि वह धर्मी ठहरने की शिक्षा को प्रकाश में लेकर आयी थी। कैथोलिक कलीसिया धर्मी ठहरना ग्रहण नहीं करती है; कैथोलिक के लिए तो यह कलीसिया ही होती है। यह बात वैसी ही है जैसा कि उस पादरी ने कहा था, जिसे उन्हें कुछ समय पहले नीचे उतारना पड़ा था, उसने कहा था, "उद्धार कहीं और नहीं, वरन कैथोलिक कलीसिया में ही है।" उद्धार कैथोलिक कलीसिया में नहीं है, उद्धार प्रोटिस्टेन्ट कलीसिया में नहीं है, उद्धार तो मसीह में है। यह अर्थात् उद्धार तो मसीह में ही पाया जाता है।

परन्तु कैथोलिक विश्वास करती है.....वे इस बात की परवाह नहीं करते हैं कि बाइबिल क्या कहती है; वे तो इसकी परवाह करते हैं, कि कलीसिया क्या कहती है। समझे? और आप उन से बातें नहीं कर सकते हैं, क्योंकि ऐसा करने का कोई तरीका नहीं है; कोई ऐसा तरीका नहीं है कि उन से बात की जाये। वे परवाह नहीं करते हैं। उनके पास है...वे आप से अपने कैटेकिजमों पर तथा इसी प्रकार की अन्य दूसरी चीजों पर तो बात कर लेंगे, परन्तु जब बाइबिल पर बात करने का मामला आता है, तो वे उसका यह कहकर तिरस्कार कर डालते हैं, यह तो वह है जो कलीसिया कहती है जो महत्व रखता है.....

92 यीशु ने कहा था, स्वयं यीशु ने ही इस बात को कहा था, "यदि कोई इसमें से कुछ बाहर निकाले, या इसमें कुछ जोड़े, तो उसका भाग जीवन की पुस्तक में से बाहर निकाला जायेगा।" यीशु ने कहा था, "हर एक मनुष्य की बात झूठी, और मेरा वचन सच्चा ठहरे।" "आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे, परन्तु मेरा वचन कभी न टलेगा।" क्या यह सही है? ओह, भाई, यह बात उसमें पायी जाती है। मैं परमेश्वर के वचन पर विश्वास करने वाला विश्वासी हूँ। यह सच है।

और मैं न केवल उस वचन पर विश्वास ही करता हूँ जो परमेश्वर ने उसमें बोला है, वरन उसके बाद मैं स्वर्गीय पिता से यह मांगता हूँ, कि वह उस वचन की पुष्टि करने के लिए मुझे पवित्र आत्मा प्रदान करे, ताकि मसीह मेरे अंदर जी रहा हो। अतः मैं जानता हूँ, कि मेरे पास अनन्त जीवन है, ऐसा इस लिए नहीं है, क्योंकि मैं इसके योग्य हूँ, वरन ऐसा इसीलिए है, क्योंकि उसके अनुग्रह ने ही मुझे यह प्रदान किया है। यही वह पत्थर है। उसने कहा था, "इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा।"

93 यह बिलकुल ठीक था....धर्मी ठहरना बिलकुल ठीक था।

इसकी मुख्य बात यह थी, कि जब वे किसी बात को पहले से ही उभार कर ला चुके थे; तो उसके बाद उन्हें उसे मर मिटने नहीं देना चाहिए था। उनके हाथों में फिर से बाइबिल आ चुकी थी। लूथरनों ने ऐसा किया था। तथा एक और बात थीः उन्होंने इसकी शिक्षा पायी थी, कि धर्मी जन विश्वास से ही जीवित रहेगा। यही है जिसकी लूथर ने शिक्षा दी थी; हर कोई यही जानता है, कि यही उसकी शिक्षा थी। धर्मी...क्या आप नहीं देख सकते हैं, कि यह कितना सिद्ध है? उसके बाद वैसली पवित्रीकरण लेकर आया; और उसके बाद यहाँ पर पिन्तेकोस्तल पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लिये हुए आता है। समझे? यह तो वैसा ही सिद्ध है जैसाकि।

"अब मैं

94 तेरे पास थोड़ी सी ही बातें हैं, तू उन्हें अब थामे रख; और ...और उनको मर-मिटने न देना। यदि तू उनको थामे न रहेगा, तो मैं जल्दी से एक चोर की नाई आऊँगा; और तू फिर से नामधारी संगठन के अंदर चला जाएगा।" और बिलकुल ठीक ऐसा ही उन्होंने किया था, वे वापस ठीक उसी के अन्दर चले गये थे। "तू फिर से वापस ठीक उसी नीकुलाईवाद की ओर फिर गया है; क्योंकि तू तो फिर से एक नामधारी कलीसिया की ओर अग्रसर होता चला जायेगा। उसे थामे रख, जो बाइबिल तेरे पास है उसे पढ़ता रह, और विश्वास से धर्मी बना रह, और जोर लगाकर आगे को बढ़ता रह।" परन्तु बहुत थोड़े ही थे वे जो वहाँ से बाहर निकल कर आये थेबचकर निकल कर आये हुए बहुत थोड़े से ही लोग थे।"

लूथर के पहिले पहल बाहर निकल आने के बाद ज्विंगली बाहर निकलकर आता है, और उसके बाद कैल्विन बाहर निकलकर आता है, और आगे तक ऐसा ही सिलसिला तब तक चलता रहता है, जब तक कि वसैली बाहर निकलकर नहीं आ जाता है। परन्तु ये बहुत थोड़े ही से थे जिन्होंने पवित्रीकरण की शिक्षा पायी थी। परन्तु जिन्होंने पवित्रीकरण की शिक्षा पायी थी उनमें से ये बहुत थोड़े से ही लोग थे जो बाहर निकलकर आये थे। पवित्रीकरण में से बाहर निकलकर आये हुए बचे हुओं में से ये बहुत थोड़े से ही लोग थे जो पवित्र आत्मा की ओर आगे बढ़ कर गये थे। देखिए, ये सभी समय वे थोड़े से ही बाकी बचे हुए लोग थे जो उसे..उसे जीवन्त रख रहे थे। यह बिलकुल ठीक बात है।

95 तीसरी बात यह है, कि जब वे बाहर निकलकर आये थे तो वे अपने साथ पागान रूपों की बहुत सी शिक्षाओं को जैसेः नामधारी कलीसिया, झूठा बपतिस्मा अपने साथ लेकर आ गये थे। अब, वे अपने साथ छिड़काव किया जाना, और इसी प्रकार का बपतिस्मा, और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की उपाधि से किया जाने वाला बपतिस्मा लेकर आ गये थे। वे कैटेकिज़म लेकर आ गये थे। सचमुच में तो उनके पास था....सचमुच में तो वे उस नाम के बिलकुल उपयुक्त ठहरे थे जो यीशु ने यहाँ पर कहा था, तेरा एक नाम है, कि तू जीवता है,-तेरा एक नाम है कि तू जीवता है, पर तू है मरा हुआ। यह सही बात है। यह बिलकुल सच है।

96 चौथी बात यह है। यह सच है, कि सुधार कार्य ने उनके कई चमक दमक से भरे हुए स्मृतिचिन्हों को और...और धार्मिक अनुष्ठानों को तथा ऐसे ही और दूसरे कार्य कलापों को उखाड़ फेंका था; परन्तु यह कलीसिया के और सुधार की पुनः बहाली लाने के संदर्भ में विफल रहा था; यह उस सम्पूर्ण सुसमाचार की शिक्षा को जिसमें चिन्ह साथ साथ होते हैं, पुन बहाल करने में विफल रहा था।

लूथरन कलीसिया के पास यह कभी नहीं था। उनके पास यह कदापि नहीं था, और ना ही यह वैसली के पास कदापि था। यह तो लोगों के पास अंत में इस लौदीकियायी काल में ही रहना है। अब जब हम अध्ययन करते हुए इस पर आते हैं, तो हम वापस वचन के लेखों में चलेंगे, और आपको दिखायेंगे, कि उन्होंने- उन वचनों ने इसकी बिलकुल ठीक ठीक कैसे प्रतिज्ञा की थी। उन्होंने नहीं किया था— उन्होंने पवित्र आत्मा वाली बेदारी को फिर से बहाल नहीं किया था।

97 वे मूरतों से फिर गये थे; वे मूरतों से तो फिर गये थे; यह बात सच है। उन्होंने कलीसिया में से मूरतों कोः मरियम, और—और पतरस, पौलुस, तथा उन सभों की मूरतों को निकाल बाहर किया था। वे मूरतों से तो फिर गये थे, परन्तु वे जी उठे मसीह की ओर नहीं फिरे थे। लूथर मूरतों से तो फिर गया था, परन्तु एक राजनीति जैसी चीज के अंदर, या नामधारी कलीसिया के अंदर, या एक संस्था के अंदर घुस गया था, ताकि एक और संस्था (उस पहले वाले के जैसे ही मूरत) बना ले, और उस नामधारी कलीसिया के द्वारा ही बढ़ने का यत्न करे।

और वे इस समय अभी भी लड़ झगड़ रहे है। मैथोडिस्ट अभी भी यह चाहते हैं, कि सारे बैपटिस्टों को मैथोडिस्ट बना डालें। और सारे लूथरन यह चाहते हैं, कि सारे बैपटिस्ट और मैथोडिस्ट लूथरन बन जायें। पिन्तेकोस्तल यह चाहते हैं, कि सारे बैपटिस्ट तथा लूथरन तथा अन्य सब पिन्तेकोस्तल बन जायें। देखिए, वे तो बस अपनी नामधारी कलीसिया में ही बढ़ोत्तरी करते चले जाते हैं। परन्तु सबसे पहली बात तो यह है, कि ऐसा करना परमेश्वर की योजना के अन्त्रतगत है ही नहीं।

पुन बहाली के लिए-मूल अवस्था में फिर से लौटाने के लिए परमेश्वर की यही योजना है, कि वह उसी को फिर से वापस लेकर आये जो आरम्भ से ही था।

98 देखिए, यह पुनः ऊपर उठाया जाना होता है। यदि यह पुस्तक फर्श पर गिर जाती है, और अब मैं कोई दूसरी पुस्तक उसके बदले में ले लेता हूँ, तो यह फिर से ऊपर उठाना नहीं हुआ, यह फिर से उसे उसकी मूल अवस्था में वापस लाना नहीं हुआ। उसे तो ठीक उसी वाले को ही फिर से ऊपर उठाना होता है। आमीन! अतः कलीसिया अन्धेरे कालों के दौरान मर-खप गयी थी, और यहाँ पर पूरी तरह से पागान वाली बन गयी थी, तो उसका ऊपर उठाया जाना होना है.....सुधार करना तो सुधार कार्य ही होता है, परन्तु सुधार किया जाना और नये सिरे से जन्म लेना; ये दो अलग अलग बातें हैं। समझे? वे सुधार-कार्य वापस लेकर आये थे, वे सुधार का काम कर रहे थे, वे उनकी मूरतो तथा ऐसी ही चीजों से दूर हट रहे थे, परन्तु वे कलीसिया में पवित्र आत्मा को कभी भी वापस लेकर नहीं आये थे। ओह, हमारे प्रभु का नाम मुबारक होवे! भाइयों, बहनों, क्या आप इसे देख सकते हैं?

वे पवित्र आत्मा को कदापि वापस लेकर नहीं आये थे, क्योंकि एक ऐसा होना है जो सचमुच में सच्चे सुसमाचार का उजियाला लेकर आता है.....अब आप अपनी समझ धारण कर लें। वह एक जो सच्चे सुसमाचार का उजियाला लेकर आता है वह उस कलीसिया का दूत है जो यहाँ पर है। और आप उसे रविवार को देखने जा रहे हैं।

99 अब, उनके पास लाइटों के ऊपर लाइटें होंगी, और क्रिसचियन लाइटें होंगी, परन्तु उनमें से प्रत्येक ठीक वापस नामधारी कलीसिया के अंदर ही चली जायेंगी।

परन्तु एक ऐसा आयेगा जो इसके विरूद्ध खड़ा होगा (जी हाँ, श्रीमान!) और वह शेष बचे हुओं को झंझोड़कर वहाँ से बाहर निकालेगा, यह बात वैसे ही सुनिश्चित है जैसा कि मैं यहाँ प्रचारमंच पर खड़ा हुआ हूँ। और वह सीधा ही आरम्भ की ओर ही वापस लौट कर जायेगा। और मैं पुराने नियम में से और नये नियम में से वचन के लेखों को लेकर आप पर इस बात को साबित कराँगा, कि वह ऐसा ही करेगा - लौदीकियायी काल का दूत ऐसा ही करेगा, (यह सही बात है) और वह सीधा ही वापस मूल वचन की ओर लौट कर जाता है और इस चीज को वह यहाँ पर फिर से ऊपर उठा खड़ा करता है। और इस दिन पर यहाँ पर पनुरूत्थान होगा। यह सही बात है।

100 परन्तु लूथर कलीसिया को, शेष बचे हुओं को झटक कर बाहर निकालकर लाया थाः ये बचकर निकलकर आये हुए थे जिन्होंने एक कदम उठाया था, जो कि पवित्री....विश्वास से धर्मी ठहरना था। वह बचकर बाहर निकल आया हुआ था, उसने पागानवाद से अपना एक कदम बाहर निकाला था। यह बिलकुल सही बात है। अगली बार इसने दो कदम बाहर निकाला था। यही सब कुछ ही किया गया था।

यह वैसा ही है...आपने बाइबिल में वहाँ पर ध्यान दिया होगा, जहाँ पानी मन्दिर के पीछे से आ रहा था? और उसने कहा था, कि उसने देखा, कि पानी उसके घुटनों तक था, उसके बाद पानी उसकी कमर तक आ गया, और उससे अगली बार उसके सिर से भी ऊपर निकल गया। परन्तु जब वह उसके सिर से भी ऊपर निकल गया, तो वह ऐसे मुकाम पर आ गया, कि वह तैर सकता था। देखिए, उसे तैरना पड़ा था। अतः अब हम ऐसी ही स्थिति पर आ पहुँच रहे हैं, कि हमें या तो तैरना होगा, या हमें डूब जाना होगा। हमें यही सब ही करना होगा। यह तुम्हें पूरी तरह से डुबा देगा, या तो तुम पूरी तरह से दूर भाग जाओगे, या यह तुम्हें अन्दर लेकर आ जायेगा। या तो तुम इसमें तैर जाओगे या इसमें डूब जाओगे। ओह, हाल्लिलूय्याह!

ओह, मैं पवित्र आत्मा के कारण बहुत आनन्दित हूँ। क्या आप आनन्दित नहीं हैं? मैं खुश हूँ, कि मैं कह सकता हूँ,

कि मैं उनमें से एक हैं। मैं उनमें से एक हैं.....(वे क्या हैं?

वे यह वह, या वह या वह नहीं है।)...

मैं खुश हूँ कि मैं कह सकता हूँ,

कि मैं उनमें से एक हूँ

हाल्लिलूय्याह!

मैं खुश हूँ, कि मैं कह सकता हूँ कि मैं उनमें से एक हैं।

101 क्या यह बात प्रिय नहीं लगती है? सुनिएगा!

वे ऊपर की कोठरी में जमा थे,

उसके नाम में दुआ कर रहे थे

उन्होंने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा था पाया,

सेवा करने का बल उनमें था

आया जो उसने उनके लिए उस दिन में किया,

करेगा वह आपके लिए इस दिन में ठीक वही काम

मैं खुश हूँ कि मैं कह सकता हूँ, कि मैं उनमें से एक हूँ

ओह, मैं उनमें से एक हूँ, मैं उनमें से एक हूँ,

मैं खुश हूँ, कि मैं कह सकता हूँ, कि मैं उनमें से एक हैं।

क्या वे सैमनरियों में गये थे? जी नहीं! उनमें से कुछ तो अपना नाम भी नहीं लिख सकते थे। यह सच है। पतरस अपना नाम नहीं लिख सकता था। बाइबिल बताती है, कि वह अशिक्षित और अज्ञानी दोनों ही था। वह और यूहन्ना ऐसे ही थे। परन्तु लोगों को उनकी बात पर कान लगाना होता था, क्योंकि वे जानते थे, कि वे यीशु के संग रहे थे।

चाहे ये लोग अनपढ़ क्यों न हों,
या दुनिया के यश से भरे हुए न हों।(परमेश्वर, मुबारक होवे,
मेरे पास ऐसे ही अनेकों लोग हैं)
उन्होंने अपना पिन्तकुस्त पाया,
यीशु नाम का बपतिस्मा लिया बता रहे हैं
वे दूर और पास
उसकी सामर्थ अभी भी है एक समान मैं खशु हूँ,
कि मैं कह सकता हूँ, कि मैं उनमें से एक हैं।
ओह, मैं उनमें से एक हूँ, मैं उनमें से एक हैं।
कि मैं कह सकता हूँ, कि मैं उनमें से एक हैं।
ओह, मैं उनमें से एक हूँ, मैं उनमें से एक हैं।

102 क्या आप इस कारण आनन्दित नहीं हैं? मैं उनमें से एक होने के कारण आनन्दित हूँ। मैं तो कोई भी वह जो मैं जानता हूँ होने कि बजाये उनमें से एक ही होना चाहूँगा। ओह, मैं तो संयुक्त राज्य का राष्ट्रपति बनने की बजाये, या विश्व का सम्राट बनने की बजाये उनमें से एक ही होना चाहूँगा।

यदि प्रभु यहाँ नीचे चलकर आये और मुझ से कहे, "मैं तुझे फिर से बीस वर्षीय बना देंगा, और तुझे सम्पूर्ण विश्व पर ओवरसियर, सम्राट बना देंगा; और तुझे इस पृथ्वी पर दस हजार वर्षों का ऐसा जीवन प्रदान करूंगा, कि तू बीस साल की उम्र वाला ही रहे, तेरे जीवन में कभी कोई ऐसा दिन नहीं होगा, जब तू बीमार हो, तुझे सिर दर्द हो, और तुझे सारे समय आनन्द ही आनन्द होगा तथा तेरे पास सब कुछ होगा; और तू सम्पूर्ण विश्व का ऐसा सम्राट होगा जो दस हजार वर्षों के लिए जीवित रहे; क्या तू इसके बजाये उनमें से एक होना चाहेगा और बस वैसे ही संघर्ष करता रहना चाहेगा जैसाकि तू किये चला जा रहा है?" मैं कहूँगा, "मैं इस लिए बहुत खशु हूँ, कि मैं कह सकता हूँ, कि मैं उनमें से एक हूँ।"

उन दस हजार वर्षों के बाद क्या होगा? परन्तु यह वाला जो है, वह अनन्त है। भाई, यह कैसे आया है? ओह, यह लोहू के माध्यम से आया है। यह सच है। यह एक लम्बे माध्यमों के द्वारा आया है, और यह परमेश्वर के देहधारी होकर हमारे मध्य में वास करने के द्वारा आया है।

103 मैं जानता हूँ, बहुत समय पहले ऐसा हुआ

एक बालक मानव को पाप मुक्त कराने के लिए चरनी में जन्मा

यूहन्ना ने उसे तट पर देखा, कि है वह युगानुयुगी मेमना

ओह, मसीह कलवरी पर क्रूस पर मुआ,

ओह, मैं गलील के उस मनुष्य से प्रेम करता हूँ।

उसने मेरे सारे पापों को किया क्षमा, पवित्र आत्मा मेरे मन में भरा,

ओह, मैं प्रेम करता हूँ, मैं गलील के उस पुरूष से प्रेम करता हूँ।

कुंए पर जो नारी थी उसे बताया जो उसने था किया,

(वह कल आज, और युगानुयुग एक सा है)...

बताया उसे, एक बार कैसे थे उसके पाँच पाँच पति उसने पायी थी अपने पापों से क्षमा,

और मन में एक शान्ति आपार... वह ज़ोर से बोली,

आओ, देखो, गील के इस पुरूषर को।

ओह, मैं प्रेम करता हूँ, मैं गलील के उस मनुष्य से प्रेम करता हूँ

क्योंकि उसने मेरे लिए बहुत कुछ है किया

मेरे सारे पापों को क्षमा किया, मन में भरी शान्ति अपार..

ओह, मैं प्रेम करता हूँ, गलील के उस मनुष्य से प्रेम करता हूँ।

एक बार मन्दिर में एक नागरिक करने आया दुआ, वह पुकार कर बोला,

हे प्रभु, मुझ पर कर दया।

किये उसने उसके पाप क्षमा, और मन में भरी शान्ति आपार

मुझे यह अच्छा लगता है। क्या आपको यह अच्छा नहीं लगता है?

लगंड़ों को उसने चलाया, अन्धों को दृष्टि का दान दिया

उसी सामर्थ ने प्रेम से सागर पर शब्द कहा....

आप इसे मेरे साथ गायें।

ओह, मैं गलीली से, गलील के उस मनुष्य से प्रेम करता हूँ,

क्योंकि उसने मेरे लिए बहुत कुछ किया,

उसने मेरे सारे पापों को किया क्षमा,

मन में शान्ति का किया संचार अपार

ओह, मैं उससे प्रेम करता हूँ,

मैं गलील के उस पुरूष से प्रेम करता हूँ

104 क्या आप इससे प्रेम नहीं करते हैं? यह पवित्र आत्मा वाला सुसमाचार बड़ा ही अच्छा है, ओह; मुझे यह प्रिय है। मैं इससे अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रेम करता हूँ। और मैं इस बात के लिए बहुत आनन्दित हूँ, कि मेरी गिनती उनके संग हुई; और हम भाई, बहनों के जैसे ही एक संग हैं। परमेश्वर ही हमें बैपटिस्टों, मैथोडिस्टों, प्रेस.....कैथोलिकों, प्रसबिटेरियनों तथा और जो भी हैं उनमें से बाहर निकालकर लाया है, परमेश्वर हमें जीवन की हर चाल में से बाहर निकालकर लाया है, और यहाँ पर पवित्र आत्मा की इस महान सहभागिता में लेकर आया है।

हम किसी नामधारी कलीसिया से सम्बन्धित नहीं हैं। जो कुछ भी वे करते हैं वह उनके ऊपर है; परन्तु हम तो एक आध्यात्मिक राज्य के अंदर है। हमने पवित्र आत्मा के द्वारा यीशु मसीह की दिव्य-आध्यात्मिक देह में बपतिस्मा पाया है। कौन हैं जिसने इसे पाया है? मैथोडिस्टों ने, बैपटिस्टों ने, प्रेसबीटेरियनों ने तथा उन सभों ने जो कोई इसमें आना चाहता है, उन्होंने इसे पाया है। और यीशु ने कहा था, "जितनों को पिता ने मुझे दिया है, वे सब मेरे पास आयेंगे, और मैं उनमें से किसी को भी न खोऊँगा, और उन्हें अन्तिम दिन जिला उठाऊँगा।" ओह, मेरे खुदा!

हम यहाँ वेदी पर एक पुराना गीत गाया करते थे। मैं नहीं जानता हूँ, कि हम इसे गा सकते हैं, या नहीं, "जगह , जगह है, हाँ, वहाँ उस सोते पर मेरे लिए जगह है।" क्या आपको उस प्रकार के पुराने गीत पंसद हैं? कोई हमें इस पर धुन दे; वह कोई भी जो इसे जानता है, वह इसे शुरू करने के लिए हमें धुन दे। हमारी पियानो वादक कहाँ पर है? क्या वह यहीं पर है? या यह भाई टेडी हैं, या उनमें से कोई यहाँ पर है? ओह ओह- मैं उसे यहाँ पर कहीं नहीं देखता

जगह है, जगह है, हाँ, वहाँ पर जगह है,
वहाँ उस सोते पर तेरे लिए जगह है,
ओह जगह है, जगह है, हाँ, वहाँ तेरे लिए जगह है,
वहाँ उस सोते पर तेरे लिए जगह है।
क्या आपको वे पुराने गीत पंसद है? और मुझे यह वाला भी पंसद है।
105 जहाँ क्रूस पर मेरा उद्धारकर्ता मरा
वहाँ मैं अपने पापों से शुद्ध हुआ
वह मुझपर उसका लोहू लगा
उसके नाम की महिमा होवे!
(उसका नाम मुबारक होवे!)
ओह, उसके नाम की महिमा होवे
(आइये हम बस अपनी आँखे बंद कर लें और इसे गायें)
ओह, वहाँ उसका लोहू मेरे हृदय पर लगा
उसके नाम की महिमा होवे।
अद्भुत रीति से मुझे पापों से बचाया करता
यीशु मुझ में मधुरतापूर्वक वास वहीं क्रूस पर जहाँ
उसने मुझे अंदर लिया उसके नाम की महिमा होवे
(उसके अमूल्य नाम की महिमा होवे!)
उसके नाम की महिमा होवे!
वहीं उसका लोहू मेरे हृदय पर लगा
उसके नाम की महिमा होवे।

अब जबकि हम इससे अगले पद को गाते हैं, आप अपने आगे के किसी व्यक्ति से, अपने पीछे वाले किसी व्यक्ति से, अपने बराबर में किसी व्यक्ति से हाथ मिलायें।

आओ इस सोते के पास जो उसके लोहू से भरा है
खास कर न्यौछावर अपने प्राण इस उद्धारकर्ता के पांव पास
ओह, उसमें नहा ले आज,

हो जा उसका पूरा आज उसके नाम की महिमा होवे!
उसके अमूल्य नाम की महिमा होवे
ओह, मुझे यह प्रिय लगता है!
क्या आपको नहीं लगता है?
उसकी महिमा होवे...
उसके अमूल्य नाम की महिमा होवे!
उसके नाम की महिमा होवे
उसकी महिमा होवे!
उसका लोहू मेरे हृदय पर लगा
उसके नाम की महिमा होवे!

ओह मैं इस बात के लिए बहुत खुश हूँ। क्या आप खुश नहीं हैं? मैं इतना खुश हूँ, कि मैं इस सोते के पास आ सकता हूँ, जो उसके लोहू से भरा है खास, और इतना मधुर है, कि मैं अपना प्राण करता हूँ, न्यौछावर अपने उद्धारर्ता के पांव पास!

106 मुझे वह दिन स्मरण है जब मैं एक युवा लड़का सा ही था, लगभग अठाराह वर्षीय था, तो मैं प्रभु से दूर भाग रहा था। मैं सुदूर पश्चिम में चला गया था; मैं चाहता था.....मेरे पिता एक घुड़सवार थे, और मैं बाहर जाकर घोड़ों पर काठी कसना चाहता था। मेरे हृदय में किसी बात की भूख थी। ओह, मैं आपको बताता हूँ कि मैं एक बैपटिस्ट प्रचारक के पास पहुँचा, उसने कहा "खड़े हो जाओ, और बस कहो, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है। हम तुम्हारा नाम पुस्तिका में लिख लेंगे।" इसने मुझे सन्तुष्ट नहीं किया।

जहाँ कहीं भी मैं गया किसी ने मुझे....मैं सेवन्थडे एडवेन्टिस्टों (शनिचर मिशनवालों) के एक जन के पास मिलने के लिए गया, वह एक भला सज्जन है, वह एक प्यारा भाई है, वह भाई बारकर है; और उसने कहा, "बिली यहाँ आओ, और प्रभु का सब्त ग्रहण करो।" (अब मैं इसे पा चुका हूँ।)..परन्तु उसने कहा, सब्त का दिन.....

और मैंने सोचा, "ओह, मेरे खुदा! यह तो अभी भी मुझे सन्तुष्ट नहीं करता है।" समझे आप?

107 मैं सुदूर पश्चिम की ओर चला गया; और मैंने सोचा...जब मैं एक रात वहाँ पर बहुत दूर पहुँच गया था, तो हम घोड़ों को इकट्ठा कर रहे थे। और आप जानते हैं; आप अपनी काठी उतार लेते हैं और अपना कैम्प-बैग ले लेते हैं, और उसे नीचे रख देते हैं, और अपनी काठी को अपने तकिये की तरह इस्तेमाल करते है।

और उस रात्रि को मैं उन पुराने ताड़ के वृक्षों के तले पीछे को लेटा हुआ था। मैं उस दिन रखवाली करने वाले काम पर लगा हुआ था; और अतः रात को पहरा देनेवाले लड़के बाहर से अपने अपने मवेशियों को लेकर आ रहे थे। और वहीं पर टैक्सस से आया हुआ एक लड़का था जिसका नाम स्लिम था; उसके पास वहाँ पर एक गिटार था और वह यह धुन बजा रहा थाः उसके नाम की महिमा होवे! 199. और वहीं पर एक और लड़का था जो कागज के एक टुकड़े और कंघी की सहायता से उसकी धुन बजा रहा था। (भाई ब्रन्हम गुनगुनाते हैं, उसके नाम की महिमा होवे!- सम्पा.)..और वे इस दूसरे गीत को गा रहे थे; वे ग्वालों की गाथा गा रहे थे; और गीत गाते गाते यह गाते थेः वहाँ क्रूस पर । 200. मैंने करवट ली, और अपना कम्बल इस प्रकार से अपने सिर पर ढंक लिया।

आप जानते हैं; मैंने बस बाहर दृष्टि डाली, और मैंने देखा कि मानो उन पर्वतों पर उन वृक्षों की चोटी के बिलकुल पास ही तारे टांगे हुए हैं। वहाँ उन ताड़ के पुराने वृक्षों में जो वह पुरानी युगानुयुगी फुसफुसाहट थी जिसमें होकर वह कहता था, "हे

आदम, तू कहाँ है?" मैं उसे सुन सकता था।

108 और उसके लगभग तीन हफ्ते बाद मैं शहर पहुँचा; और सब लड़कों ने शराब पी हुई थी, और मैंने शराब नहीं पी थी। मुझे उन सभों को घर ले जाना था; कैसे भी हो मुझे उन्हें इकट्ठा करके कार में लेकर घर ले जाना था। और वे बाहर निकलते और एक दूसरे के पांव पर छरें चलाते तथा ऐसा ही अन्य कुछ करते, और सुरक्षित रह पाना बङा कठिन था; और उन्होंने वहाँ से होकर एक सीधी रेखा खींची, और एक दूसरे से उस पर चलने के लिए पाँच डॉलर की शर्त लगायी, और आप जानते हैं, कि वे वहाँ पर किनारे किनारे नहीं चल सकते थे। और जब उन्हें उनके पैसे मिल गए, तो उन्होंने इस तरह से तब तक पी जब तक वे पूरी तरह से धुत न हो गए। और मैं वहाँ पर था, और वे सब शराब पी रहे थे, और मैं पार्क तक गया,

और नीचे बैठ गया, मैंने सोचा, "ओह—ओह-"-मैं सोचता हूँ, कि यह पैंतीस वर्ष पहले-पैंतीस वर्ष पहले—लगभग पैंतीस वर्ष पहले हुआ था। और मैं उस पार्क में नीचे बैठ गया।

उस समय फीनिक्स एक छोटी सी ही जगह थी। हम नीचे से विक्नबर्ग से आये। मैं वहाँ नीचे बैठ गया, और वहाँ पर एक स्पेनिश लड़की इठलाती हुई आयी, और उसने मुझे वहाँ पर बैठा हुआ देखा, मैंने अपने सिर पर एक बड़ा सा टोप इस प्रकार से पीछे को लगाया हुआ था। आप जानते हैं, कि वह मेरे पास से गुजरी और उसने अपनावह छोटा सा रूमाल गिरा दिया।

मैंने कहा, "ऐ तुमने अपना रूमाल नीचे गिरा दिया है। मेरी उसमें कोई रूचि नहीं थी।

109 वहीं पर मैंने सड़क पर से एक मंद आवाज आती हुई सुनी, और मैं उधर को चल पड़ा। और वहाँ पर उनमें से मसीह की ओर फिरा हुआ एक लड़का गिटार बजाकर गा रहा था उसके नाम की महिमा होवे! और आँसू उसके गालों पर से बह रहे थे। ओह, मेरे खुदा! आँसू उसके गालों पर से बह रहे थे। वह रूका और बोला, भाई आप इसे तब तक नहीं जानते हैं, जब तक कि आप इस अद्भुत मसीह को ग्रहण नहीं कर लेते हैं।" उसके नाम की महिमा होवे!

और मैंने उस बड़े टोप को खींचकर नीचे उतारा, और दूर चला गया। ओह, मेरे परमेश्वर! आप उससे छिप नहीं सकते हैं। अच्छा तो यही है, कि आप बाहर आ जायें और इसे ग्रहण कर लें। ओह, वह अद्भुत है! जी हाँ, वह अद्भुत है!

मैं अद्भुत रीति से पापों से बचा,
यीशु ने मधुरता से वास किया..(उसने मेरे अंदर वास किया।)...
वहाँ क्रस पर जहाँ उसने मुझे देखा!
उसके नाम की महिमा होवे!
उसके नाम की महिमा होवे!

उसके नाम की महिमा होवे!
वहीं मेरे हृदय पर लोहू लगा,
उसके नाम की महिमा होवे!
ओह, इस सोते के आओ पास,
है जो मधुर और खास अपना प्राण करो न्यौछावर उद्धारकर्ता के चरणों पास
ओह, उसमें डुबकी लगाकर हो जाओ पूरे के पूरे उसके आज|
उसके नाम की महिमा होवे
(अब आइये अब अपने सिरो को झुकायें, और अब बस अपने हाथों को ऊपर उठायें।)
हे परमेश्वर, बहुमूल्य नाम!
उसका लोहू मेरे हृदय पर लगा;
उसके नाम की महिमा होवे!

110 परमेश्वर की महिमा होवे। आइये हम ऊपर खड़े हो जायें। ओह, बस एक मिनट के लिए हम खड़े हो जायें, बस जरा रूकिये, बस जरा रूकिये (अन्यान्य भाषाएँ बोली जाती हैं और उनका अनुवाद किया जाता है।). "हां, मेरे लोग, मै आप जन को इस रात को जैसे हम यहाँ पर इक्कट्ठा हुआ है बताना चाहता हु, जबकि मै इस रात को तुम्हारे हृदय से प्रेरित हुआ, और तुम्हारे प्राण छिद्रित हुआ है मेरे आत्मा और मेरे वचन के द्वारा। मै एक बार फिर कहुगा की, मेरे बच्चो। हां , ये जो आनेवाले दिन जो तुम्हारे सामने है वे बहुत बड़ा दिन होंगे उन लोगो के लिए जो मुझे जाना हो और उस के अनुसर चलते हो, यहोवा की यह वाणी है। क्योंकि मै कहता हु की मै पथ के अनेक वस्तुओ पर रोशनी डालूंगा मेरे संदेश के द्वारा।

"और मै बताना चाहता हु, मेरे जन, की अगर तुम मेरी अभिप्राय करते हो और मेरे पीछे हो लेते हो, तब मै तुम्हे ये सरे असबाब को समझने की बुद्धि तुम्हे दूंगा। जब मै इस रात को तुम्हारे मदयमे मै देखता हु की कुछ लोगो के हृदय मै, ऐसे प्रभु ने कहता है, की कुछ ऐसे है इस रात्रि , मै उन्हे ये कहता हु, जो की अशांत है की व्हे क्या विश्वास करे।

"परन्तु मेरे जन इस रात्रि मै तुम से कहता हु। कभी भी तुम निरुत्साहित मत होना। और इस जगह को कभीभी नहीं छोड़ना, इन चीजों के प्रति उदास दिल और रवैया के साथ। क्योंकि मैं तुझ से कहता हूं कि यदि तुम प्रभु को ढूंढोगे, प्रभु कहता है कि मैं तुम्हें समझ दूंगा, और मैं भी तुम्हारे साथ सौदा करूँगा जैसा कि मैं एक बच्चा था। और मैं तुम्हें इन सारी चीजों की रोशनी में लाऊंगा।

"और मैं कहता हूं कि मैं तुमको मेरे लोगों के रूप में परिपूर्ण कर दूंगा, और मैं तुझ से बात करता हूं, मेरे बेटे और बेटियां, आज की रात को, जैसा कि आप इस जगह से जाते हैं। और जैसा कि आप कई स्थानों पर जाते हैं तुम जहाँ से आए हो, क्या तू यह रोशनी लोगे मैं कहता हूँ, और यह बहुत से लोगों के लिए एक गवाह हो? क्योंकि मैं कहता हूं इस दुनिया मे आसपास आज रात अंधेरा और भ्रम है। लेकिन मैं अपने दासों से बात करता हूं, सर्वशक्तिमान परमेश्वर कहता है। यह घड़ी तुम्हारा है । हाँ, मैं तुझसे कहता हूं, मेरे भक्तो, यह रात मेरी सुसमाचार की सच्चाई का प्रकाश उठाता है। हाँ, मेरे पवित्र वचन की घोषणा करो मेरे लोगों को कि वे वितरित हो सकते हैं इन सब बातों से, प्रभु कहता है"]

अब, कोई ऐसा होगा जो नहीं जानता होगा, कि वह क्या था, वह पिन्तेकुस्त क्या था, पवित्र आत्मा के द्वारा अन्यान्य भाषाओं में बोला जाना क्या था। यीशु ने कहा था, "सारे जगत में जाकर सुसमाचार का प्रचार करो। और जो विश्वास करे, उसके ये चिन्ह होंगे; वे नई नई भाषाएँ बोलेंगे, और बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जायेंगे।" वे सारी बातें जिनके बारे में उसने कहा था पूरी होंगी।

ओह, मैं बहुत अनन्दित हूँ। क्या आप देखते हैं, कि पवित्र आत्मा आ रहा है; उस वचन की पुष्टि कर रहा है? एक प्रकाश है; उसे ग्रहण करो, उस पर संदेह-संदेह मत करो। आप बस उसे ग्रहण करें, और वह आप से एक बालक के जैसे व्हवहार करेगा और वह आपको बढ़ाता चला जाएगा। अब क्या यह पवित्र आत्मा की मधुरता नहीं है? यह पवित्र आत्मा ही है जो हमारे ऊपर है।

मुझे स्मरण आता है, कि एक बार बाइबिल में ऐसा हुआ था, कि वे नहीं जानते थे, कि किस ओर से संकट आ रहा था, किस ओर से शत्रु आ रहा था, और एक मनुष्य पर पवित्र आत्मा उतरा और उसने उन्हें बिलकुल ठीक ठीक बताया, कि उन्हें कहाँ पर जाना है। और वे वहाँ चले गये; और परमेश्वर ने शत्रु पक्ष की सेना में ऐसी गड़बड़ी पैदा की, कि उन्हें भटका डाला। यह सच है। ओह, हम अभी भी बाइबिल के दिनों में रह रहे हैं, क्या हम नहीं रह रहे हैं? और यह तो हमेशा ही रहा है; जब तक पवित्र आत्मा रहता है....

ओह, आइये हम खड़े हो जायें, जबकि हम इसे गाते हैं:
111 यीशु का नाम अपने साथ ले....
(संदेश को याद रखें)
हे दुख और संताप की संतान
देगा तुझे यह आनन्द और आराम
जहाँ कहीं जाये,
तो इसको लेकर जा
अमूल्य नाम..अमूल्य नाम,
कैसा मधुर नाम!
जग की आशा और स्वर्ग का उल्लास
अमूल्य नाम, अमूल्य नाम,
ओह, कैसा मधुर नाम
यीशु का नाम अपने साथ ले
जब तुझे आजमाइशों ने चारों ओर से घेरा हो,
कर दुआ में इस अमूल्य नाम का
जाप अमूल्य नाम...अमूल्य नाम,
ओह, कैसा मधुर नाम!
जग की आशा और स्वर्ग का उल्लास
उस अन्तिम पद पर कान लगायें:
112 आप के साथ यीशु का नाम ले लो,
हर जाल से ढाल के रूप में;

जब आपके आस-पास के प्रलोभन इकट्ठा होते हैं,
उस पवित्र नाम को चुपसे प्रार्थना मै कहना.
ओह, चलो इसे फिर से गाएं;
आप के साथ यीशु का नाम ले लो,
हर जाल से ढाल के रूप में;
जब आपके आस-पास के प्रलोभन इकट्ठा होते हैं,
उस पवित्र नाम को चुपसे प्रार्थना मै कहना.
आइए हम अब हमारे सिर झुकते हैं:
अमूल्य नाम (अमूल्य नाम),
ओह कैसा मधुर नाम!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग की खुशी;
अमूल्य नाम, ओह कैसा मधुर नाम!
(कैसा मधुर!)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग की खुशी.

MESSAGE hub online
www.messagehub.info
विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा प्रचारे गए सन्देश
"...शब्द देने के दिनों में..." प्रकाशित. १०:७